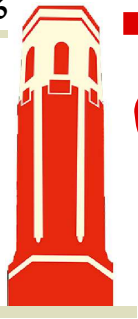


- देहरादून
- वर्ष 34
- अंक 278
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00



दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com

Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

उत्तराखंड में हेलीकाप्टर क्रैश चमोली जिले के जोशीमठ के पास हुआ हादसा, 6 लोग थे सवार

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड के चमोली जिले में बदरीनाथ धाम से लौट रहे एक हेलीकाप्टर के लापता होने की सूचना से हड़कंप मच गया है। हेलीकाप्टर में पायलट समेत छह लोगों के सवार होने की जानकारी सामने आई है। हेलीकाप्टर का संपर्क टूटने के बाद उसकी तलाश के लिए अभियान

◆ बदरीनाथ से लौट रहा था हेलीकाप्टर, तलाश में जुटी है सेना व टीमें
◆ जोशीमठ के हाथी पर्वत क्षेत्र से संपर्क टूटा, बर्फबारी में भरी थी उड़ान



टीम घटनास्थल के लिए रवाना

पोस्ट जोशीमठ से उप निरीक्षक मनोहर कन्याल द्वारा बताया गया कि एसडीएम जोशीमठ को सूचना प्राप्त हुई कि जोशीमठ क्षेत्र के चाय गांव के ऊपर एक हेली के क्रैश लैंडिंग की सूचना है। इस संबंध में यूकाडा कर्मचारियों द्वारा बताया गया कि चाय गांव के ऊपर आर्मी कैंप के पास ट्रांस भारत हेली की लोकेशन दिख रही है, जो बदरीनाथ से सहस्त्रधारा के लिए आ रहा था, जिसमें 05 पैसेंजर और 01 पायलट सवार है, अभी क्रैश और क्रैश लैंडिंग की पूर्ण जानकारी नहीं है। एसडीआरएफ की जोशीमठ टीम और पांडुकेश्वर की टीम घटनास्थल के लिए रवाना हो गई है।

शुरू कर दिया गया है। उपलब्ध मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, तलाश और बचाव कार्य के लिए दो अन्य हेलीकाप्टर भी भेजे गए हैं। सीएम धामी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर लिखा है कि चाई गांव, जोशीमठ के निकट हेलीकाप्टर क्रैश होने की दुर्भाग्यपूर्ण सूचना प्राप्त हुई है। जिला प्रशासन, आपदा प्रबंधन विभाग, एसडीआरएफ द्वारा संयुक्त रूप से रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार,

हेलीकाप्टर ने दोपहर को बदरीनाथ धाम से उड़ान भरी थी। इसके बाद जोशीमठ के पास हाथी पर्वत क्षेत्र में उसका संपर्क टूटने की सूचना है। घटना के समय क्षेत्र में बर्फबारी होने की भी जानकारी दी गई है। हेलीकाप्टर के लापता होने की सूचना के बाद जिला प्रशासन, पुलिस और बचाव दल सक्रिय हो गए हैं। उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, भारतीय सेना की ओर से भी प्रशासन को हाथी पर्वत के आसपास संभावित दुर्घटना की सूचना दी गई। इसके बाद बचाव अभियान तेज किया गया।

सीएम धामी ने जताया दुःख

सीएम पुष्कर सिंह धामी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा है कि चाई गांव, जोशीमठ के निकट हेलीकाप्टर क्रैश होने की दुर्भाग्यपूर्ण सूचना प्राप्त हुई है। जिला प्रशासन, आपदा प्रबंधन विभाग, एसडीआरएफ द्वारा संयुक्त रूप से रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। स्वयं भी पूरे घटनाक्रम की निरंतर निगरानी कर रहा हूं। गंभीर रूप से घायलों को तत्काल एयरलिफ्ट कर बेहतर उपचार के लिए हायर सेंटर पहुंचाने के निर्देश दिए हैं। ईश्वर से यात्रियों के सकुशल होने की कामना करता हूं।

हालांकि, समाचार लिखे जाने तक हेलीकाप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने, उसमें सवार लोगों की स्थिति और हादसे के

संभावित कारणों को लेकर अभी आधिकारिक पुष्टि उपलब्ध नहीं है। ऐसे में दुर्घटना और जनहानि को लेकर किसी

निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। बताया जा रहा है कि हेलीकाप्टर में पायलट सहित छह लोगों के सवार होने की सूचना है। फिलहाल सबसे बड़ी चिंता हेलीकाप्टर में सवार लोगों की सुरक्षित तलाश है। दुर्गम पर्वतीय क्षेत्र और बर्फबारी के बीच बचाव अभियान में चुनौतियां आ सकती हैं। प्रशासन की ओर से अभियान की प्रगति और यात्रियों की स्थिति को लेकर आधिकारिक जानकारी मिलने का इंतजार है।

हजारों बेरोजगारों ने किया सचिवालय कूच

हमारे संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड के विभिन्न सरकारी विभागों में नई भर्ती निकालने और वर्षों से लटकी भर्ती प्रक्रियाओं को पूरा करने की मांग को लेकर आज राजधानी देहरादून में युवाओं का गुस्सा सड़कों पर फूट पड़ा। उत्तराखंड बेरोजगार संघ के बैनर तले सैकड़ों युवाओं ने परेड ग्राउंड में जोरदार प्रदर्शन किया और उसके बाद सचिवालय कूच करने की कोशिश की।

बेरोजगार संघ के अध्यक्ष राम कंडवाल के नेतृत्व में यह प्रदर्शन 29 अक्टूबर से शुरू हुआ था जो आज 30 अक्टूबर को उग्र हो गया। सुबह से ही प्रदेश के अलग-अलग जिलों से युवा परेड ग्राउंड पर इकट्ठा होने लगे थे। हाथों में तख्तियां और नारे लगाते हुए युवाओं ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

पुलिस ने उन्हें सचिवालय जाने से रोकने के लिए बैरिकेडिंग की थी लेकिन युवा बैरिकेड तोड़कर



आगे बढ़ने का प्रयास करते रहे। इस दौरान पुलिस और युवाओं के बीच हल्की नोकझोंक भी देखने को

मिली।

प्रदर्शन कर रहे युवाओं ने सरकार के सामने 17

सूत्रीय मांग पत्र रखा है। उनकी प्रमुख मांग है कि सिंचाई विभाग, लोक निर्माण विभाग, शहरी विकास विभाग और उच्च शिक्षा विभाग में जो हजारों पद सालों से खाली पड़े हैं उन पर तुरंत नई भर्ती विज्ञप्तियां जारी की जाएं। इसके साथ ही आईटीआई और पॉलीटेक्निक संस्थानों में अनुदेशकों के खाली पदों को भरा जाए।

संघ के अध्यक्ष राम कंडवाल ने कहा कि सरकार आउटसोर्सिंग के नाम पर युवाओं का शोषण कर रही है और नियमित भर्ती नहीं कर रही है। उन्होंने मांग की कि आउटसोर्सिंग प्रथा को पूरी तरह से खत्म कर सभी पदों पर नियमित, पारदर्शी और समयबद्ध परीक्षा आयोजित की जाए। साथ ही लंबित भर्तियों की जांच और रिजल्ट में हो रही देरी को भी तुरंत दूर किया जाए। युवाओं का कहना है कि अगर सरकार ने जल्द उनकी मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं की तो यह आंदोलन पूरे प्रदेश में और तेज होगा।

दून वैली मेल

संपादकीय

दवाओं में 93 फीसदी कटौती

जीवन बचाने वाली दवाओं पर राहत का फैसला स्वागतयोग्य, लेकिन बड़ा सवाल यह है कि बीमारी से जुझते परिवारों की जेब पर अब तक कितना बोझ पड़ता रहा और कीमतों की निगरानी करने वाली व्यवस्था कहां थी? कैंसर मरीज के शरीर पर हमला करता है, लेकिन महंगे इलाज का बोझ उसके पूरे परिवार को तोड़ देता है। बीमारी का पता चलते ही जिंदगी बचाने की जद्दोजहद शुरू होती है। अस्पताल के चक्कर, जांचों का खर्च, दवाओं की कीमतें और भविष्य की अनिश्चितता परिवार को ऐसी सुरंग में धकेल देते हैं, जहां उम्मीद तो दिखाई देती है, लेकिन उससे बाहर निकलने का रास्ता पैसे से होकर गुजरता है। ऐसे में कैंसर की दवाओं के दाम 93 प्रतिशत तक घटाने का सरकारी फैसला राहत की बड़ी खबर है। मगर इस राहत के साथ एक चुभता हुआ सवाल भी खड़ा होता है—कृजब कीमतों में इतनी बड़ी कटौती संभव है, तो जीवन बचाने वाली दवाएं मरीजों की पहुंच से बाहर क्यों थीं? सरकार का फैसला स्वागतयोग्य है, लेकिन केवल स्वागत और प्रचार से जनहित की कसौटी पूरी नहीं होती। असली सवाल यह है कि किन दवाओं के दाम घटे हैं, कितने मरीजों को इसका लाभ मिलेगा और क्या बाजार में नई कीमतों का ईमानदारी से पालन होगा? नौ नवंबर से लागू होने वाली नई दरें यदि मरीजों की जेब पर वास्तविक बोझ घटाती हैं, तो यह महत्वपूर्ण उपलब्धि होगी। लेकिन यदि राहत का बड़ा आंकड़ा सरकारी घोषणाओं में चमकता रहे और मरीज अस्पतालों तथा दवा दुकानों में महंगे इलाज से जूझते रहें, तो ऐसी कटौती का उद्देश्य अधूरा रह जाएगा। जीवनरक्षक दवाओं की कीमतों में 93 प्रतिशत तक की कटौती केवल राहत का आंकड़ा नहीं, बल्कि दवा मूल्य निर्धारण और बाजार की निगरानी पर गंभीर बहस का अवसर भी है। यह मान लेना सही नहीं होगा कि हर दवा की कीमत मनमाने ढंग से तय होती है या हर महंगी दवा अनुचित मुनाफे का परिणाम है। दवाओं के अनुसंधान, निर्माण, तकनीक और वितरण की अपनी लागत होती है। लेकिन इन वास्तविकताओं के बीच यह सुनिश्चित करना भी सरकार की जिम्मेदारी है कि मरीज की विवशता का अनुचित आर्थिक लाभ न उठाया जाए। कैंसर के मरीज के सामने सामान्य उपभोक्ता जैसी स्थिति नहीं होती। वह किसी जरूरी दवा को केवल इसलिए छोड़ नहीं सकता कि बाजार में उसका सस्ता विकल्प उपलब्ध नहीं है। कई बार उपचार की निरंतरता बेहद महत्वपूर्ण होती है। ऐसे में मरीज की जरूरत और उसकी आर्थिक क्षमता के बीच टकराव पैदा होता है। यही कारण है कि जीवनरक्षक दवाओं का बाजार केवल कारोबार का विषय नहीं हो सकता। यहां मुनाफे के साथ मानवीय जिम्मेदारी, पारदर्शिता और सरकारी जवाबदेही भी उतनी ही महत्वपूर्ण हैं। सरकार ने कीमतों में भारी कटौती का फैसला किया है, तो उसे यह भी स्पष्ट करना चाहिए कि यह किन दवाओं पर लागू है और नई कीमतों का निर्धारण किस आधार पर किया गया है। पुरानी और नई कीमतों की दवावार सूची सार्वजनिक होनी चाहिए। दवा विक्रेताओं, वितरकों और संबंधित अस्पतालों की नियमित जांच होनी चाहिए। कहीं पुरानी कीमत पर बिक्री तो नहीं हो रही, कहीं दवाओं की उपलब्धता में कृत्रिम बाधा तो नहीं पैदा की जा रही और कहीं मरीजों को महंगे विकल्पों की ओर तो नहीं धकेला जा रहा। इन सवालों की निगरानी जरूरी है। क्योंकि भारत में योजनाओं और घोषणाओं की कमी नहीं, असली समस्या कई बार उनके क्रियान्वयन में सामने आती है। मूल्य नियंत्रण तभी सफल माना जाएगा, जब मरीज को दवा खरीदते समय वास्तविक राहत मिले। इसके लिए शिकायत दर्ज कराने की सरल व्यवस्था, समयबद्ध कार्रवाई और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ प्रभावी कदम जरूरी हैं। सरकार को यह भी बताना चाहिए कि नई कीमतों के बाद मरीजों के वास्तविक खर्च में कितनी कमी आई। जनहित की सफलता का प्रमाण विज्ञापन नहीं, जमीन पर दिखाई देने वाला बदलाव है। लेकिन कैंसर के इलाज की पूरी तस्वीर इससे भी बड़ी है। दवाओं की कीमत कम होने से उपचार का खर्च अपने आप 93 प्रतिशत नहीं घट जाएगा। जांच, शल्य चिकित्सा, विकिरण चिकित्सा, अस्पताल में भर्ती, चिकित्सकीय निगरानी और उपचार के बाद देखभाल पर भी बड़ी रकम खर्च होती है। बीमारी के कारण कामकाज प्रभावित होने और आय घटने का संकट अलग है। यदि दवा सस्ती हो जाए, लेकिन मरीज जांच और अस्पताल का खर्च न उठा पाए, तो राहत अधूरी रहेगी। इसलिए कैंसर के उपचार की संपूर्ण लागत को कम करना स्वास्थ्य नीति का लक्ष्य होना चाहिए। सबसे अधिक चिंता उन परिवारों की है, जिनकी आमदनी सीमित है और जिनके पास बीमारी से लड़ने के लिए पर्याप्त बचत नहीं है। मध्यमवर्गीय परिवार भी गंभीर बीमारी के सामने आर्थिक संकट में फंस सकते हैं। वर्षों की जमा पूंजी उपचार में खर्च हो जाती है और कई परिवार कर्ज के सहारे इलाज जारी रखते हैं। किसी परिवार की आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं होनी चाहिए कि उसे जीवन बचाने और भविष्य बचाने में से किसी एक को चुनने की नौबत आ जाए। सरकारी अस्पतालों में आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना, जांच सुविधाओं का विस्तार करना और स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ समय पर पहुंचाना इस दिशा में अनिवार्य कदम हैं। आखिरकार, किसी देश की स्वास्थ्य व्यवस्था की असली परीक्षा यह नहीं है कि वहां कितनी आधुनिक दवाएं उपलब्ध हैं, बल्कि यह है कि जरूरत पड़ने पर आम नागरिक उन्हें खरीद और इस्तेमाल कर सकता है या नहीं। यदि जीवन बचाने वाली दवा मरीज की आर्थिक क्षमता से बाहर है, तो चिकित्सा विज्ञान की प्रगति का लाभ समाज के एक बड़े हिस्से तक नहीं पहुंच पा रहा है। कैंसर की दवाओं के दाम 93 प्रतिशत तक घटाने का फैसला राहत की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हो सकता है। अब जरूरत इस बात की है कि सरकार इस पहल को पारदर्शिता, निगरानी और जवाबदेही से जोड़े। दवाओं की नई कीमतें लागू हों, उनका उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई हो और मरीजों को मिलने वाली वास्तविक राहत का हिसाब सार्वजनिक किया जाए। बीमारी मरीज के शरीर में है, उसकी सजा पूरे परिवार की आर्थिक बर्बादी क्यों बने? जीवन बचाने वाली दवा पर राहत किसी सरकार का उपकार नहीं, जनस्वास्थ्य के प्रति उसकी जिम्मेदारी है। सरकार को यह जिम्मेदारी घोषणा से आगे बढ़कर निभानी होगी, ताकि कैंसर से लड़ रहे किसी मरीज के सामने इलाज और आर्थिक तबाही में से एक चुनने की मजबूरी न रहे।

धामी के वार से ‘तिलमिलाई’ कांग्रेस

हरक सिंह के बचाव में उतरे गोदियाल, अकिता प्रकरण पर मुख्यमंत्री को घेरा

कार्यालय संवाददाता
देहरादून। उत्तराखंड में विधानसभा चुनाव की आहट के बीच सियासत का तापमान बढ़ने लगा है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कांग्रेस नेता डा. हरक सिंह रावत को निशाने पर लेकर जिस राजनीतिक बहस को हवा दी, उसने भाजपा और कांग्रेस के बीच आरोप-प्रत्यारोप की लड़ाई को नया मोड़ दे दिया है। धामी के हमले के बाद कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने मोर्चा संभालते हुए मुख्यमंत्री पर अकिता भंडारी हत्याकांड के संवेदनशील मुद्दे पर जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया। अब सवाल केवल हरक सिंह रावत की राजनीतिक भूमिका का नहीं, बल्कि अकिता को न्याय दिलाने के मुद्दे पर दोनों दलों की जवाबदेही का भी बन गया है। मुख्यमंत्री के बयान को कांग्रेस ने अपने वरिष्ठ नेता की राजनीतिक छवि पर हमला माना है। जवाब में गोदियाल ने जैनी प्रकरण और अकिता हत्याकांड की तुलना पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि जैनी प्रकरण में आरोप लगने के बाद हरक सिंह रावत ने तत्काल इस्तीफे की घोषणा कर सीबीआई जांच की मांग की थी। इसके उलट, गोदियाल ने अकिता प्रकरण में कथित वीआईपी की भूमिका को लेकर उठ रहे सवालों पर मुख्यमंत्री से जवाब मांगा।

गोदियाल ने मुख्यमंत्री पर सबूत नष्ट करने और कथित वीआईपी को बचाने जैसे गंभीर आरोप लगाए। हालांकि, यह

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष के राजनीतिक आरोप हैं। इनकी सत्यता को स्थापित तथ्य के रूप में प्रस्तुत नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की मातृशक्ति और जनता को गुमराह करने के बजाय सरकार को अकिता को न्याय दिलाने के सवालों का स्पष्ट जवाब देना चाहिए। इस राजनीतिक टकराव का केंद्र दो अलग-अलग

पुराने जैनी प्रकरण से अकिता हत्याकांड तक पहुंची उत्तराखंड में सियासी जंग, चुनावी साल में पुराने मामलों के बहाने आमने-सामने आए भाजपा और कांग्रेस

अलग प्रकरणों को लेकर खड़ा किया गया सवाल है। धामी ने हरक सिंह रावत को निशाने पर लेकर कांग्रेस को घेरने की कोशिश की, जबकि कांग्रेस ने पलटवार करते हुए मुख्यमंत्री से अकिता प्रकरण में जवाबदेही तय करने की मांग की। कांग्रेस का तर्क है कि दोनों मामलों की परिस्थितियों को एक जैसा बताकर राजनीतिक बहस को मूल मुद्दे से नहीं भटकाया जाना चाहिए। पार्टी ने हरक सिंह के इस्तीफे की घोषणा और सीबीआई जांच की मांग का हवाला देते हुए मुख्यमंत्री से पूछा है कि अकिता प्रकरण में उठ रहे सवालों पर सरकार का रुख क्या है। भाजपा की ओर से हरक सिंह को निशाने पर लेने की राजनीतिक वजह भी स्पष्ट है। चुनावी वर्ष में कांग्रेस के प्रमुख चेहरों की राजनीतिक विश्वसनीयता पर सवाल खड़े करना सत्तारूढ़ दल की

रणनीति का हिस्सा हो सकता है। वहीं, कांग्रेस अकिता प्रकरण को सरकार की जवाबदेही का मुद्दा बनाकर भाजपा को रक्षात्मक स्थिति में लाने की कोशिश कर रही है।

हरक सिंह रावत उत्तराखंड की राजनीति के अनुभवी और चर्चित चेहरों में शामिल हैं। उनका राजनीतिक सफर और अलग-अलग दलों के साथ उनका जुड़ाव उन्हें चुनावी बहस में महत्वपूर्ण बनाता है। ऐसे में उन पर मुख्यमंत्री का हमला केवल एक नेता पर व्यक्तिगत टिप्पणी तक सीमित नहीं रहता, बल्कि कांग्रेस के राजनीतिक बचाव और भाजपा के चुनावी विमर्श से भी जुड़ जाता है। गोदियाल का बयान इसी राजनीतिक संदर्भ में महत्वपूर्ण है। उन्होंने हरक सिंह के बचाव के साथ-साथ बहस को अकिता भंडारी हत्याकांड की ओर मोड़ दिया। इससे कांग्रेस को भाजपा के हमले का जवाब देने और सरकार को एक संवेदनशील जनमुद्दे पर घेरने का अवसर मिला है। हालांकि, कांग्रेस के लिए भी चुनौती कम नहीं है। उसे केवल मुख्यमंत्री के बयान का विरोध करने के बजाय अकिता प्रकरण पर अपनी मांगों और तथ्यों को स्पष्ट रूप से सामने रखना होगा। इसी तरह भाजपा को भी आरोप-प्रत्यारोप से आगे बढ़कर उठाए जा रहे सवालों पर तथ्यात्मक जवाब देना होगा।

अकिता भंडारी हत्याकांड उत्तराखंड में न्याय, महिलाओं की सुरक्षा और राजनीतिक

►► शेष पृष्ठ 7 पर

उत्तराखंड में नई सियासी ‘दस्तक’: बड़ा दावा, बड़ी चुनौती

कार्यालय संवाददाता
देहरादून। उत्तराखंड में विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच प्रदेश की राजनीति में एक नई पार्टी की एंट्री ने सियासी हलचल बढ़ाने के संकेत दिए हैं। सर्वजन सनातन पार्टी ने राज्य की सभी 70 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। पार्टी का यह निर्णय ऐसे समय सामने आया है, जब भाजपा और कांग्रेस दोनों ही 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर अपनी रणनीति मजबूत करने में जुटी हैं। ऐसे में नई पार्टी की घोषणा ने प्रदेश में तीसरे राजनीतिक विकल्प की संभावनाओं पर चर्चा शुरू कर दी है।

हालांकि, सभी 70 सीटों पर चुनाव लड़ने का ऐलान करना और उन सीटों पर प्रभावी चुनौती पेश करना दो अलग-अलग बातें हैं। उत्तराखंड की राजनीति में इससे पहले भी कई दलों और क्षेत्रीय संगठनों ने अपनी मौजूदगी दर्ज कराने की कोशिश की है, लेकिन भाजपा और कांग्रेस के बीच सत्ता का मुख्य मुकाबला बना रहा है। ऐसे में सर्वजन सनातन पार्टी के सामने सबसे बड़ी चुनौती अपनी राजनीतिक घोषणा को मजबूत संगठन, विश्वसनीय नेतृत्व और मतदाताओं के समर्थन में बदलने की होगी।

सभी विधानसभा सीटों पर उम्मीदवार उतारने का ऐलान पार्टी की व्यापक राजनीतिक महत्वाकांक्षा को दर्शाता है। इससे पार्टी प्रदेश के हर क्षेत्र में अपनी मौजूदगी दर्ज कराने और राज्यव्यापी मुद्दों पर राजनीतिक विमर्श खड़ा करने की

कोशिश कर सकती है। लेकिन पहाड़ से मैदान तक फैले उत्तराखंड में चुनाव लड़ने के लिए केवल उम्मीदवारों की सूची पर्याप्त नहीं होती। बूथ स्तर का संगठन, स्थानीय नेतृत्व, चुनाव प्रबंधन, संसाधन और मतदाताओं के बीच लगातार संपर्क भी जरूरी हैं। सर्वजन सनातन पार्टी को यह स्पष्ट करना होगा कि उसका राजनीतिक कार्यक्रम केवल धार्मिक-सांस्कृतिक पहचान तक सीमित रहेगा या वह रोजगार, पलायन, शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सुरक्षा,

राजनीति में एक नई पार्टी की ‘एंट्री’ से सियासी हलचल बढ़ाने के संकेत
उत्तराखंड राज्य में सभी 70 सीटों पर चुनाव लड़ेंगी सर्वजन सनातन पार्टी
भाजपा-कांग्रेस के मुकाबले तीसरा राजनीतिक विकल्प बनने की तैयारी
असली चुनौती जनाधार, संगठन व वोटों में तब्दील होने वाले समर्थन की

भ्रष्टाचार और पहाड़ी क्षेत्रों के विकास जैसे सवालों पर भी ठोस नीतियां पेश करेगी।

उत्तराखंड में सनातन परंपरा और धार्मिक पर्यटन का विशेष महत्व है। चारधाम, स्थानीय देवी-देवताओं की परंपराएं और क्षेत्रीय सांस्कृतिक विरासत प्रदेश की पहचान का हिस्सा हैं। लेकिन चुनाव में सांस्कृतिक पहचान के साथ रोजमर्रा के सवाल भी निर्णायक होते हैं। मतदाता यह जानना चाहेंगे कि नई पार्टी उनकी समस्याओं के समाधान के लिए क्या अलग प्रस्ताव रखती है। नई पार्टी की एंट्री

का राजनीतिक असर इस बात पर निर्भर करेगा कि उसे किन क्षेत्रों और किन सामाजिक समूहों में समर्थन मिलता है। यदि वह भाजपा के पारंपरिक समर्थकों के बीच जगह बनाती है, तो सत्तारूढ़ दल के लिए कुछ सीटों पर चुनौती पैदा हो सकती है। वहीं, यदि उसका प्रभाव कांग्रेस समर्थकों या भाजपा-कांग्रेस दोनों से असंतुष्ट मतदाताओं में बढ़ता है, तो विपक्षी राजनीति के समीकरण भी प्रभावित हो सकते हैं। लेकिन अभी यह कहना जल्दबाजी होगी कि सर्वजन सनातन पार्टी किस दल के वोट काटेगी या किसे राजनीतिक लाभ पहुंचाएगी। इसका आकलन पार्टी के उम्मीदवारों, संगठन, प्रचार अभियान और क्षेत्रवार समर्थन की स्थिति सामने आने के बाद ही किया जा सकेगा।

उत्तराखंड में तीसरे विकल्प की राजनीति का इतिहास भी नई पार्टी के सामने चुनौती खड़ी करता है। राज्य गठन आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले उत्तराखंड क्रांति दल को भी लंबे समय तक राज्यव्यापी सत्ता का विकल्प बनने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। इससे स्पष्ट होता है कि क्षेत्रीय भावनाओं या वैचारिक पहचान के आधार पर समर्थन जुटाना और उसे विधानसभा की सीटों में बदलना अलग-अलग राजनीतिक परीक्षाएं हैं। सर्वजन सनातन पार्टी के लिए सबसे महत्वपूर्ण सवाल उसकी वैचारिक पहचान और व्यावहारिक राजनीतिक कार्यक्रम का है।

►► शेष पृष्ठ 7 पर

कालाढूंगी में 3.8 किमी सड़कों के लिए 1.39 करोड़ मंजूर

हल्द्वानी(आरएनएस)। दीपावली पर कालाढूंगी विधानसभा क्षेत्र के पांच गांवों में 3.8 किलोमीटर सड़कों के निर्माण और पुनर्निर्माण का रास्ता साफ हो गया है। शासन ने इसके लिए 139.32 लाख रुपये की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति दी है। विधायक बंशीधर भगत के अनुसार, राज्य योजना के तहत घुनी नंबर-1 में 85० मीटर आंतरिक सड़कों के निर्माण के लिए 67.84 लाख रुपये मंजूर हुए हैं। हरिपुर मोतिया में 5०० मीटर के दो मार्ग पर पीसी निर्माण के लिए 32.28 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। वहीं, विजयपुर धमोला में 1.85 किलोमीटर संपर्क मार्ग के पीसी पुनर्निर्माण के लिए 23.०4 लाख और फूलचौड़ ईसाई फार्म मार्ग के 6०० मीटर हिस्से के पुनर्निर्माण के लिए 16.16 लाख रुपये मंजूर हुए हैं। भगत ने बताया कि लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्माण कार्यों में गुणवत्ता सुनिश्चित करने और टेंडर प्रक्रिया जल्द शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं। इन सड़कों के बनने से ग्रामीणों को बेहतर संपर्क मार्ग मिलने की उम्मीद है।

आठ विद्यार्थी आईआईएम काशीपुर में लगे प्रशिक्षण

बागेश्वर(आरएनएस)। उत्तराखंड सरकार के उच्च शिक्षा विभाग की देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत पंडित बन्दी दत्त पांडे राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बागेश्वर के आठ छात्र-छात्राओं का चयन उद्यमिता विकास प्रशिक्षण के लिए हुआ है। चयनित विद्यार्थी 25 से 31 अक्टूबर तक भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम), काशीपुर में आयोजित आवासीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम (ईडीपी) में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। महाविद्यालय के निदेशक ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बताया कि विद्यार्थियों का चयन परिसर में आयोजित उद्यमिता बूट कैंप में प्रदर्शन और मूल्यांकन के आधार पर किया गया है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में उद्यमिता की समझ विकसित करना और उन्हें स्वरोजगार एवं व्यवसाय के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए आवश्यक कौशल प्रदान करना है। प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों को विशेषज्ञों की ओर से व्यावसायिक सोच विकसित करने, व्यवसाय की योजना तैयार करने, ब्रांडिंग, वित्तीय साक्षरता और बाजार की आवश्यकताओं को समझने से संबंधित जानकारी दी जा रही है।

‘विकास कार्यों को तय समय पर पूरा करें’

चम्पावत(आरएनएस)। डीएम मनीष कुमार ने निर्माणाधीन साइंस सेंटर, चाय बागान और अन्य पर्यटन विकास कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्यों को तय समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। चम्पावत के गौड़ी रोड में निर्माणाधीन साइंस सेंटर का डीएम मनीष कुमार ने निरीक्षण किया। यहां 55.52 करोड़ रुपये से साइंस सेंटर का निर्माण किया जा रहा है। डीएम ने बताया कि अगले माह निर्माण कार्य पूरा होने वाले ब्लॉक को जनता को समर्पित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने कार्यदायी संस्था को समय से निर्माण कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। बाद में उन्होंने चाय बागान में 19 करोड़ से विकसित किए जा रहे पर्यटक सुविधाओं का भी जायजा लिया। यहां इको हट्स, इंटरप्रिटेशन सेंटर तथा पर्यटकों के भ्रमण के लिए मार्ग व ट्रेल आदि सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। डीएम ने कार्यदायी संस्था को उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग करने के निर्देश दिए।

शहर में जगह-जगह पेयजल लाइन क्षतिग्रस्त, सड़क पर बने गहरे गड्ढे

हरिद्वार(आरएनएस)। शहर में जगह-जगह पेयजल लाइनों के क्षतिग्रस्त होने से जहां हजारों लीटर पानी बर्बाद हो रहा है, वहीं सड़कों पर बने गड्ढे लोगों के लिए परेशानी का सबब बन रहे हैं। इसके बावजूद संबंधित विभाग की ओर से समय रहते मरम्मत नहीं कराई जा रही है। मायापुर चौकी के निकट पेयजल लाइन क्षतिग्रस्त होने के बाद सड़क पर गहरा गड्ढा बन गया है। इससे यहां से गुजरने वाले दोपहिया वाहन चालकों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। गड्ढे के कारण वाहन चालकों को दुर्घटना का खतरा भी बना रहता है। स्थानीय लोगों को आशंका है कि समय रहते मरम्मत नहीं हुई तो कोई हादसा हो सकता है। वहीं, भगत सिंह चौक के निकट भी क्षतिग्रस्त पेयजल लाइन से लगातार पानी बह रहा है। पुराने औद्योगिक क्षेत्र की लोधाधमंडी कॉलोनी के बाहर भी पिछले करीब 15 दिनों से पेयजल लाइन क्षतिग्रस्त होने के कारण हजारों लीटर पानी बर्बाद हो रहा है। शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में पेयजल की बर्बादी और सड़क पर बने गड्ढों की समस्या के बावजूद विभागीय स्तर पर प्रभावी कार्रवाई नहीं दिखाई दे रही है।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

—प्रबंधक विज्ञापन

कुंभ-2०27 से पहले पंतद्वीप क्षेत्र के विकास कार्य पूरे करने के निर्देश

हरिद्वार(आरएनएस)। कुंभ मेला-2०27 के आयोजन को लेकर हरिद्वार में अवस्थापना विकास के कार्य तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। मेला क्षेत्र में कुंभ मद से कराए जा रहे कार्यों के साथ ही अन्य महत्वपूर्ण परियोजनाओं को भी समयबद्ध ढंग से पूरा करने के लिए मेला प्रशासन नियमित निरीक्षण और समीक्षा कर रहा है। इसी क्रम में मेलाधिकारी श्रीमती सोनिका ने पंतद्वीप क्षेत्र का सघन स्थलीय निरीक्षण कर उत्तराखंड इंफ्रास्ट्रक्चर एंड इन्वेस्टमेंट डेवलपमेंट बोर्ड (यूआईआईडीबी) की ओर से हरकी पैड़ी के उत्तरवर्ती क्षेत्र के विकास के लिए संचालित परियोजना के तहत हो रहे कार्यों की प्रगति का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान मेलाधिकारी ने पंतद्वीप क्षेत्र में घाटों के निर्माण एवं अनुरक्षण, पार्किंग, वॉक-वे, वेंडिंग जोन, शौचालयों, प्रकाश व्यवस्था, ड्रेनेज और सौंदर्यीकरण से जुड़े कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यदायी संस्था यूपीडीसीसी के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी महत्वपूर्ण कार्य कुंभ मेला शुरू होने से पहले अनिवार्य रूप से पूरे कर लिए जाएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता और समयबद्धता से किसी भी स्तर पर समझौता नहीं किया जाना चाहिए।

मेलाधिकारी ने मौके पर वेंडिंग जोन और वॉक-वे के निर्माण में प्रयुक्त सैंडस्टोन सहित अन्य निर्माण सामग्री को परखने के साथ ही टाइलिंग एवं अन्य निर्माण कार्यों की गुणवत्ता का भी जायजा लिया। उन्होंने

अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण सामग्री के मानकों, कार्यों की फिनिशिंग और निर्धारित गुणवत्ता मानकों का विशेष ध्यान रखा जाए तथा कमियां मिलने पर तत्काल सुधार सुनिश्चित किया जाए।

भीड़ प्रबंधन, सुरक्षा और सुगम आवागमन पर विशेष जोर- मेलाधिकारी ने पंतद्वीप क्षेत्र में कुंभ के दौरान संभावित भीड़ के व्यवस्थित संचालन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वॉक-वे और एक-दूसरे से सटे घाटों पर श्रद्धालुओं के आवागमन में सुगमता बनी रहनी चाहिए। घाटों पर सुविधा और सुरक्षा के समुचित प्रबंध करने के साथ ही गंगा तटों की दूर से स्पष्ट दृश्यता भी सुनिश्चित की जाए, ताकि श्रद्धालुओं को आवागमन और घाटों तक पहुंचने में अनावश्यक असुविधा न हो। उन्होंने पंतद्वीप क्षेत्र को सुव्यवस्थित विकसित करने के साथ ही अतिक्रमणमुक्त बनाए रखने के लिए प्रभावी प्रबंधन करने को कहा। क्षेत्र में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, नियमित साफ-सफाई और सौंदर्यीकरण के कार्यों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि कुंभ के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए सभी व्यवस्थाएं सुविचारित और व्यवस्थित होनी चाहिए।

कांगड़ा घाट और मालवीय द्वीप क्षेत्र का भी निरीक्षण- मेलाधिकारी ने पंतद्वीप से लगे घाटों के साथ कांगड़ा घाट और मालवीय द्वीप क्षेत्र में घाटों, पुलों एवं मार्गों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने इन क्षेत्रों में

भीड़ प्रबंधन के लिए समुचित व्यवस्थाएं विकसित करने तथा घाटों पर रेलिंग, चेन और अन्य आवश्यक सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। पूर्व में निर्मित घाटों के बेहतर अनुरक्षण पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि पुराने निर्माणों की मरम्मत और रखरखाव भी कुंभ की तैयारियों का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

गंग नहर की प्रस्तावित बंदी की अवधि का उपयोग करते हुए मेलाधिकारी ने घाटों और पुलों के उन हिस्सों की मरम्मत एवं पेंटिंग तत्काल कराने के निर्देश दिए, जो सामान्य परिस्थितियों में जलमग्न रहते हैं। उन्होंने तटवर्ती भवनों और आश्रमों में भी फसाड़ योजना के अनुरूप रंग-रोगन कराने को कहा, ताकि गंगा तट के आसपास के क्षेत्र को सुव्यवस्थित और आकर्षक स्वरूप दिया जा सके।

यूआईआईडीबी की परियोजनाओं की नियमित निगरानी- कुंभ मेला-2०27 के लिए हरिद्वार में व्यापक स्तर पर अवस्थापना विकास के कार्य किए जा रहे हैं। इसके साथ ही यूआईआईडीबी द्वारा हरकी पैड़ी-रोड़ी बेलवाला क्षेत्र के पुनर्विकास तथा हरकी पैड़ी के उत्तरवर्ती क्षेत्र के विकास की महत्वपूर्ण परियोजनाएं भी संचालित की जा रही हैं। इन परियोजनाओं के तहत विकसित होने वाली सुविधाएं कुंभ के दौरान श्रद्धालुओं के आवागमन, ठहराव, सुविधा और सुरक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं। इसी को देखते हुए मेला प्रशासन इन परियोजनाओं की प्रगति और गुणवत्ता की निरंतर निगरानी कर रहा है।

सुरक्षित बचपन अभियान के तहत विद्यार्थियों को बाल अधिकारों और साइबर सुरक्षा की जानकारी

से बचाव के उपायों की जानकारी भी दी गई। साइबर अपराध की शिकायत के लिए हेल्पलाइन नंबर 193० और बच्चों की सहायता के लिए चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1०98 के बारे में बताया गया। इस दौरान अभियान से संबंधित पंफलेट भी वितरित किए गए। शिविर में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट मोहम्मद याकूब, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव अनामिका सिंह, न्यायिक मजिस्ट्रेट नवल बिष्ट, कोतवाली अल्मोड़ा के प्रभारी निरीक्षक योगेश चंद्र उपाध्याय, असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस काउंसिल रोहित बिष्ट, विद्यालय प्रबंधक सुशील सोहन लाल, एकेडमिक हेड विपुल कार्की और अधिकार मित्र सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

सतर्कता जागरूकता कार्यशाला में सत्यनिष्ठा और पारदर्शिता पर दिया जोर

अल्मोड़ा(आरएनएस)। विवेकानंद पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, अल्मोड़ा में सतर्कता जागरूकता सप्ताह के तहत सत्यनिष्ठा से समृद्धि विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई।

संस्थान के निदेशक डॉ. लक्ष्मीकान्त की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यशाला में वैज्ञानिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों और आरएडब्ल्यूई विद्यार्थियों सहित कुल 71 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। संस्थान में सतर्कता जागरूकता सप्ताह 26 अक्टूबर से एक नवंबर तक मनाया जा रहा है। कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के सतर्कता अनुभाग के अवर सचिव नीरज तंवर ने ऑनलाइन माध्यम से कार्यस्थल

पर यौन उत्पीड़न की रोकथाम से संबंधित पॉश अधिनियम, गोपनीयता, कर्तव्य से अनधिकृत अनुपस्थिति, विदेश यात्रा संबंधी नियमों, एससीएसपी, टीएसपी और एनईएच योजनाओं के दिशा-निर्देशों तथा इनपुट के समय पर वितरण जैसे विषयों की जानकारी दी। इसके अलावा वेतन संहिता, श्रम कानूनों के अनुपालन, वार्षिक संपत्ति विवरण जमा करने की समयसीमा, खरीद एवं अनुबंध प्रक्रियाओं, मेक इन इंडिया, वैश्विक निविदाओं और सरकारी खरीद संबंधी दिशा-निर्देशों पर भी चर्चा की गई। संस्थान के निदेशक डॉ. लक्ष्मीकान्त ने मुख्य वक्ता का आभार व्यक्त करते हुए कार्यशाला को उपयोगी बताया। उन्होंने कहा कि सत्यनिष्ठा केवल कार्यालयी प्रक्रियाओं

तक सीमित नहीं है, बल्कि यह कार्यसंस्कृति, पारदर्शिता और व्यक्तिगत आचरण का आधार है। उन्होंने वैज्ञानिकों और कर्मचारियों से अपने प्रशासनिक एवं शोध कार्यों में उच्च नैतिक मूल्यों को अपनाने का आह्वान किया, ताकि संस्थान में सुशासन और उत्कृष्टता को मजबूत किया जा सके। कार्यशाला के अंतिम सत्र में वैज्ञानिकों और अधिकारियों ने सतर्कता, खरीद नियमों तथा कार्यालयी प्रक्रियाओं से जुड़े सवाल पूछे। कार्यक्रम का संचालन संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक एवं सतर्कता अधिकारी डॉ. राजेश कुमार खुल्बे ने किया, जबकि धन्यवाद प्रस्ताव सहायक प्रशासनिक अधिकारी नन्दन सिंह रजवार ने प्रस्तुत किया।

त्वचा को चमकदार बनाने में सहायक हैं खीरे के फेस पैक, जाने बनाने का तरीका

खीरा एक ऐसा फल है, जो न केवल खाने में स्वादिष्ट होता है, बल्कि त्वचा की देखभाल के लिए भी बहुत फायदेमंद है। इसमें मौजूद विटामिन्स और मिनरल्स त्वचा को ताजगी और नमी प्रदान करते हैं। इसके अलावा खीरे के फेस पैक त्वचा की गहराई से सफाई करने और मुंहासों से राहत दिलाने में मदद कर सकते हैं। आइए खीरे के फेस पैक बनाने और इस्तेमाल करने का तरीका जानते हैं।

खीरे और नींबू का फेस पैक : सामग्री- आधा खीरा, एक चम्मच नींबू का रस और एक चम्मच शहद। फेस पैक बनाने और इस्तेमाल करने का तरीका- सबसे पहले खीरे को छीलकर छोटे टुकड़ों में काटें, फिर उसे मिक्सर में पीसकर उसका पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट में नींबू का रस और शहद मिलाएं। इस मिश्रण को चेहरे पर लगाकर 15-20 मिनट तक छोड़ दें, फिर चेहरे को ठंडे पानी से धो लें। यह पैक त्वचा को ताजगी और निखार देने में मदद कर सकता है।

खीरे और दही का फेस पैक : सामग्री- आधा खीरा, दो चम्मच दही और एक चम्मच शहद। फेस पैक बनाने और इस्तेमाल करने का तरीका- सबसे पहले खीरे को छीलकर उसके छोटे टुकड़े काट लें, फिर उसे मिक्सर में पीसकर उसका पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट में दही और शहद मिलाकर अच्छे से मिला लें। इस मिश्रण को अपने चेहरे पर लगाकर 15-20 मिनट तक छोड़ दें, फिर चेहरे को ठंडे पानी से धो लें।

खीरे और एलोवेरा का फेस पैक : सामग्री- आधा खीरा, एक चम्मच एलोवेरा जेल और एक चम्मच शहद। फेस पैक बनाने और इस्तेमाल करने का तरीका- सबसे पहले खीरे को छीलकर उसके छोटे टुकड़े काट लें, फिर उसे मिक्सर में पीसकर उसका पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट में एलोवेरा जेल और शहद मिलाकर अच्छे से मिला लें। इस मिश्रण को अपने चेहरे पर लगाकर 15-20 मिनट तक छोड़ दें, फिर चेहरे को ठंडे पानी से धो लें।

खीरे और गुलाब जल का फेस पैक : सामग्री- आधा खीरा, एक चम्मच गुलाब जल और एक चम्मच शहद। फेस पैक बनाने और इस्तेमाल करने का तरीका- सबसे पहले खीरे को छीलकर उसके छोटे टुकड़े काट लें, फिर उसे मिक्सर में पीसकर उसका पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट में गुलाब जल और शहद मिलाकर अच्छे से मिला लें। इस मिश्रण को अपने चेहरे पर लगाकर 15-20 मिनट तक छोड़ दें, फिर चेहरे को ठंडे पानी से धो लें।

खीरे और बेसन का फेस पैक : सामग्री- आधा खीरा, एक चम्मच बेसन और एक चम्मच दही। फेस पैक बनाने और इस्तेमाल करने का तरीका- सबसे पहले खीरे को छीलकर उसके छोटे टुकड़े काट लें, फिर उसे मिक्सर में पीसकर उसका पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट में बेसन और दही मिलाकर अच्छे से मिला लें। इस मिश्रण को अपने चेहरे पर लगाकर 15-20 मिनट तक छोड़ दें, फिर चेहरे को ठंडे पानी से धो लें। यह पैक त्वचा को चमकदार बनाने में मदद कर सकता है।

महिलाओं में पीसीओएस के हो सकते हैं ये संकेत, न करें नजरअंदाज

पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (पीसीओएस) एक ऐसी स्थिति है, जिससे किसी भी उम्र की महिलाओं को प्रभावित किया जा सकता है। यह समस्या हार्मोनल असंतुलन के कारण होती है और इससे शरीर में पुरुष हार्मोन का स्तर बढ़ जाता है। इसके परिणामस्वरूप अंडाशय में कई छोटे-छोटे सिस्ट बनने लगते हैं। आइए आज हम आपको पीसीओएस के कुछ शारीरिक संकेतों के बारे में बताते हैं, जो महिलाओं को नजरअंदाज नहीं करने चाहिए।

अनियमित या बंद पीरियड्स आना: पीसीओएस का सबसे आम शारीरिक संकेत है मासिक धर्म का अनियमित या अचानक बंद होना। इस समस्या से पीड़ित महिलाओं में मासिक धर्म का अंतराल 2 से 3 महीने तक हो सकता है, जबकि सामान्य महिलाओं में हर महीने मासिक धर्म होता है। कभी-कभी क़ष्टहर्स् से ग्रस्त महिलाओं में 6 महीने के बाद भी मासिक धर्म नहीं आता है। यह समस्या हार्मोनल असंतुलन के बड़ा कारण होती है।

वजन का बढ़ना: पीसीओएस से ग्रस्त महिलाओं का वजन बढ़ना भी एक आम संकेत है। इस समस्या के कारण शरीर में पुरुष हार्मोन का स्तर बढ़ जाता है, जिससे चर्बी का जमाव होता है। इसके परिणामस्वरूप महिलाओं का वजन बढ़ने लगता है। यह समस्या महिलाओं के लिए स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकती है। इसे ठीक करने के लिए संतुलित डाइट करें, रोज़ाना 30-40 मिनट एक्सरसाइज करें, पर्याप्त नींद और स्ट्रेस कंट्रोल करें।

मुंहासे होना: पीसीओएस का एक और शारीरिक संकेत है मुंहासे होना। इससे प्रभावित महिलाओं के चेहरे, ठुड्डी और गालों पर बड़े और दर्दनाक मुंहासे हो सकते हैं। इसके अलावा, सीने, पीठ और कंधों पर भी मुंहासे हो सकते हैं। यह समस्या शरीर में हार्मोनल असंतुलन के कारण होती है। इसे ठीक करने के लिए ऑयल-फ्री स्किनकेयर अपनाएं ज्यादा शुगर और जंक फूड से बचें नियमित एक्सरसाइज करें जरूरत पड़े तो डॉक्टर से दवा लें

अनिद्रा की समस्या होना: पीसीओएस एक ऐसी समस्या है, जो महिलाओं की नींद को प्रभावित कर सकती है। इससे ग्रस्त महिलाओं को सोने में दिक्कत हो सकती है और वे सोते समय बार-बार जाग सकती हैं। यह समस्या शरीर में हार्मोनल असंतुलन के कारण होती है, जिससे नींद पर भी प्रभाव पड़ता है। इस ठीक करने के लिए आप संतुलित डाइट करें, रोज़ाना 30-40 मिनट एक्सरसाइज करें, पर्याप्त नींद लें और स्ट्रेस कंट्रोल करें।

किताबें उठाते ही आती है नींद तो द्राई करें ये लिप्स!

पढ़ने के दौरान कई बार किताबें उठाते ही क्या आपके बच्चे को भी नींद आने लगती है। बच्चों ही नहीं बड़ों के साथ भी ये समस्या देखने को मिलती है। चाहकर भी वे पढ़ नहीं पाते हैं। अगर आपके या आपके जानने वाले किसी के साथ भी ऐसा ही हो रहा है तो जाने इसका कारण और कैसे इस परेशानी से बच सकते हैं।

किताबें उठाते ही क्यों आती है नींद : दरअसल, जब हम पढ़ाई करते हैं तो आंखों से जुड़े मसल्स पर प्रेशर पड़ने लगता है। हमारा ब्रेन पढ़ी हुई चीजों को याद कर उसे कलेक्ट करता रहता है। जब आंखों के मसल्स थक जाते हैं या स्लो काम करने लगते हैं तो नींद आने लगती है। कई बार पढ़ने के दौरान हमारे बैठे का तरीका भी गलत होने पर नींद आ सकती है। यह बिल्कुल वैसा ही होता है, जैसे सफर के दौरान बस या ट्रेन में बैठे-बैठे ही हम सो जाते हैं। इसलिए पढ़ाई के दौरान बाँड़ी पोस्चर को इस तरह रखना चाहिए, जिससे उसे न ज्यादा आराम महसूस हो और ना ही ज्यादा सुस्ती लगे।



अंधेरे में पढ़ाई न करें : जब भी आप पढ़ाई करने बैठे तो ऐसी जगह चुनें जहां पर्याप्त रोशनी हो। इससे आंखों पर कम प्रभाव पड़ेगा और कम रोशनी वाली जगह बैठने से भी बच जाएंगे।अंधेरे में पढ़ाई करने पर नींद आने लगती है।

ओपन स्पेस में ही पढ़ें : खुली जगहों जैसे छत या बालकनी में हवा और रोशनी काफी अच्छी आती है। इसलिए ऐसी जगहों पर पढ़ाई करना चाहिए। इससे सुस्ती कम महसूस होगी और नींद भी नहीं आएगी। इसका फायदा आंखों को भी होगा।

कभी भी बिस्तर पर न पढ़ें : कुछ लोग बिस्तर पर बैठकर पढ़ाई करते हैं। ऐसा करने से आलस और सुस्ती महसूस होती है। जिससे पढ़ने में बिल्कुल भी मन नहीं लगेगा। इसलिए जब भी पढ़ाई करें तो टेबल और कुर्सी पर करें। इससे नींद से बच जाएंगे। पढ़ाई से पहले हल्का भोजन ही करें : ज्यादा खाने के बाद सुस्ती और नींद आना स्वाभाविक है। ऐसे में जब भी खाना खाएं तो तुरंत बाद पढ़ने न बैठें। पढ़ने से पहले हल्का और पचने वाले भोजन करें। इससे नींद नहीं आएगी और आलस भी नहीं लगेगा।

हाथ से बर्तन धुलते समय ध्यान रखें ये बातें

इन दिनों बर्तन धुलना एक ट्रेंड बन गया है, डिशवॉश लिचिड के विज्ञापनों ने बर्तन धुलने के कामों को एक ग्लोबल इमेज दे दी है। अब लोगों को खुद से घर के बर्तन धुलना कोई गंदा काम नहीं लगता है। वैसे अब बर्तन धुलना उतना कठिन काम रह नहीं गया है जितना पहले समय में होता था। अगर आप रेगुलर बर्तन धोती हैं या थोड़े समय बाद कहीं सेटल होने वाली हैं, जहां धोना पड़ सकता है, तो कई बातों का ध्यान रखना आवश्यक होता है। बर्तनों को धुलने से पहले एक स्क्रबर से साफ कर दें, ताकि सारी जूठन निकल जाएं।

बर्तनों को धुलने के बाद उन्हें ऐसे रखें कि वो सूख सकें, वरना उनमें बदबू आने

लगती है। बर्तनों को रैक में पोंछकर ही लगाएं। ऐसी ही कई और बातों को बर्तन धुलते समय ध्यान में रखना चाहिए, जो कि निम्न प्रकार हैं:

बर्तन एक जगह इक्छा कर लें- बर्तनों को धुलने से पहले एक जगह इक्छा कर लें। बार-बार भागे नहीं। बाकी सारी सामग्री जैसे- साबुन, स्क्रबर और तौलिया को भी रख लें। नाजुक बर्तन पहले धुलें- भारी या बड़े बर्तनों को धुलने से पहले हल्के या क्रॉकरी वाले बर्तन पहले धुलें। वरना उनके टूटने का डर बना रहता है। चम्मचें, काटे और छुरियां भी पहले धुल लें।

चिकने बर्तन भिगो दें- बर्तनों को धुलने से पहले चिपकने बर्तनों को एक

जगह रख कर उनमें गर्म पानी और साबुन डाल दें, ताकि उनकी चिकनाई छूट जाएं और उन्हें धुलने में ज्यादा मशक्कत न करनी पड़े। बर्तन धुलना- बर्तनों को मांजने के बाद उन्हें छोटे से लेकर बड़े के क्रम में धुलना शुरू करें। इससे पानी की खपत कम होगी और वो अच्छे से साफ भी हो जाएंगे।

बर्तनों को सुखाना- बर्तनों को धुलने के बाद एक साथ घुसाकर न रखें बल्कि डलिया आदि में अलग-अलग रखें। बाद में उन्हें तौलिया से पोंछकर सूखने रख दें। अगर बर्तन अच्छी तरह नहीं सूखते हैं तो पेट में संक्रमण होने की संभावना रहती है।

शब्द सामर्थ्य -071

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :
1. अनुचित, असत्य, जो ठीक न हो
3. बेवजह, बिनाकारण, व्यर्थ
4. हल्कीनींद, चकमा, धोखा
6. शक्कर पानी आदि का मीठा घोल
10. सोते से उठाना, सावधान करना, प्रदीप्त करना
11. चरमसीमा, सीमांत
14. पानी, आंसू
15. बैठा हुआ, विराजित
16. नृत्य
17.

ऊपर से नीचे
1. गणपतिजी, 2. मांगनेवाला, पाने की इच्छा करने वाला
3. मिट्टी के रंग का, मटमैला
5. चला आता हुआ क्रम प्रथा, प्रणाली, रीति-रीवाज,
7. निशाचर, रात में विचरण करने

मृतप्राय, मृत्यु के करीब 19. जल, अम्बु
22. उपहार, भेंट
23. खबर, संदेश।

वाला 8. पेड़ का धड़ा जहां से शाखाएं निकलती है, 9. मिठाई, खाने की मीठी चीज
12. शासन, गुप्तबात
13. श्रद्धा, स्त्री, जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित प्रसिद्ध महाकाव्य
15. विपत्तिग्रस्त, दुखी, अभाग
16. प्रसिद्ध, नामवर
18. स्वप्न, ख्वाब
20. करीब, नज़दीक, समीप
21. सुबह, प्रातः, सबेरा।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 70 का हल

अ	भि	षे	क		प	स		
जा	त		थ	प	थ	पा	ना	
य	र	का	नी		भ्र		र	श्मि
ब	घा	र		क	ष्ट	प्र	द	
	त	ना	त	नी		र्व		ब
अ		मा		ज	मा	त		ल
स	जा					क	ज	रा
बा		बे	स	हा	रा		ग	म
ब	गु	ला		रा	ज	दू	त	

मौली तनुज प्रशांत की फिल्म डोंगा ना कोडुकु का टीजर जारी!

अभिनेता मौली तनुज प्रशांत की आगामी तेलुगु क्राइम-कॉमेडी फिल्म डोंगा ना कोडुकु के निर्माताओं ने बुधवार को इसका मजेदार टीजर जारी किया। श्रीनु कंबाला के निर्देशन में बनी इस फिल्म का टीजर दर्शकों को हंसी और मनोरंजन की भरपूर झलक देता है। कई सफल फिल्मों का निर्माण कर चुका प्रोडक्शन हाउस मैत्री मूवी मेकर्स ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर टीजर का लिंक साझा किया। निर्माताओं ने पोस्ट में लिखा, भद्रम, सावधान रहना भाई... डोंगा ना कोडुकु और उसका परिवार आ गया है। फिल्म का टीजर रिलीज हो गया है। डोंगा ना कोडुकु 13 नवंबर से दुनियाभर के बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने आ रही है। फिल्म का निर्देशन श्रीनु कंबाला ने किया है, जो इस फिल्म से निर्देशन के क्षेत्र में कदम रख रहे हैं। फिल्म 13 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म की कहानी ईश्वर के इर्द-गिर्द घूमती है, जो बीटेक की पढ़ाई बीच में छोड़ चुका है। उसके माता-पिता पैसों को बहुत महत्व देते हैं। उसकी जिंदगी में एक करीबी दोस्त और गर्लफ्रेंड भी है। हालांकि, ईश्वर अपनी अगली जिंदगी में इनमें से किसी को नहीं चाहता और उसकी इच्छा सिर्फ पैसा पाने की है।

कहानी में चोरी और अपराध के तत्वों की एंट्री के साथ घटनाक्रम दिलचस्प मोड़ लेता है। फिल्म में हास्य के साथ क्राइम का मेल देखने को मिलेगा। टीजर का अंत समुद्र तट पर ईश्वर और उसकी गर्लफ्रेंड के बीच खाने को लेकर होने वाली मजेदार नोकझोंक के साथ होता है। फिल्म लिटिल हार्ट्स में अपने अभिनय के लिए सराहना हासिल करने वाले मौली तनुज प्रशांत एक बार फिर अपनी कॉमिक टाइमिंग से दर्शकों को हंसाते नजर आएंगे।

टीजर में पाउडर वाला दृश्य, जिंदगी को लेकर मौली के किरदार का मजेदार नजरिया और टिफिन से जुड़ा हास्यपूर्ण प्रसंग शामिल है। इन दृश्यों से फिल्म में कॉमेडी की भरपूर खुराक मिलने की उम्मीद दिखाई देती है। फिल्म में सुष्मिता शेट्टी मौली की मासूम गर्लफ्रेंड की भूमिका में नजर आएंगी। अली और रजिता ने उनके माता-पिता का किरदार निभाया है। वहीं, रघुबाबू, प्रिया और गुंडू सुदर्शन भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे।

निर्देशक श्रीनु कंबाला ने मुख्य किरदार के अनोखे स्वभाव और उससे पैदा होने वाली हास्यपूर्ण परिस्थितियों के इर्द-गिर्द कहानी बुनी है। मौली के किरदार का चित्रण और अलग-अलग दृश्यों में कॉमेडी का इस्तेमाल फिल्म को मनोरंजक बनाने पर निर्देशक के जोर को दर्शाता है। फिल्म का निर्माण नवीन येरनेनी और वाई रविशंकर ने किया है, जबकि अनिल येरनेनी सह-निर्माता हैं। फिल्म की सिनेमैटोग्राफी सूर्या बालाजी ने संभाली है। संगीत सिंजित येरामिल्ली ने दिया है। फिल्म का संपादन श्रीधर सोमपल्ली ने किया है और प्रोडक्शन डिजाइन की जिम्मेदारी नागेन्द्र गुब्बाला ने निभाई है।

कुल मिलाकर, फिल्म का टीजर चोरी और अपराध से जुड़ी दिलचस्प कहानी के साथ हास्य और मनोरंजन की भरपूर झलक पेश करता है।

टीवी का पहला सास-बहू वाला सीरियल, घर-घर में हिट हो गया था गाना

आज टीवी सीरियल्स का क्रेज पहले जैसा नहीं रहा। एक दौर था, जब सीरियल देखने के लिए घर में जल्दी डिनर बन जाता था, ताकि पूरा परिवार एक साथ बैठकर सीरियल्स का आनंद उठा सके। महिलाएं सीरियल्स के टेलीकास्ट होने का बेसब्री से इंतजार करती थीं। यूं तो टीवी पर कई सीरियल्स आए जो बाद में कल्ट बन गए। मगर क्या आपको पता है कि टीवी पर सबसे पहला सास बहू वाला सीरियल कौन सा आया था जिसने एक नया ट्रेंड शुरू कर दिया था? चलिए आपको टीवी के पहले सास बहू वाले सीरियल के बारे में बताते हैं...

टीवी पर आने वाला पहला सास-बहू सीरियल

2००० के दशक में एक टीवी सीरियल आया जो सास-बहू और घर के ड्रामों से भरा हुआ था। इस शो के किरदार जितने पॉपुलर हुए, उससे ज्यादा गाना हिट हो गया। घर-घर में लोग सीरियल के टाइटल ट्रैक को गुनगुनाने लगे। यह सीरियल था क्योंकि सास भी कभी बहू थी' इसी शो ने डेली सोप यानी सास-बहू वाले सीरियल्स का ट्रेंड शुरू किया था। क्योंकि सास भी कभी बहू थी' का निर्माण एकता कपूर ने किया था। शो में तुलसी की भूमिका में स्मृति ईरानी को घर-घर में पहचाना जाने लगा। शो में स्मृति ईरानी के अलावा मिहीर विरानी के रोल में अमर उपाध्याय भी मशहूर हो गए थे। आपको जानकर हैरानी होगी कि जब शो में मिहीर विरानी का डेथ सीन दिखाया गया था तब लोग इस किरदार की वापसी के लिए प्रोटेस्ट कर रहे थे। ईटाइम्स के मुताबिक, लोगों ने मिहीर की वापसी के लिए गुस्से में एकता के ऑफिस पर पत्थर भी फेंके थे। बाद में जब मिहीर की वापसी हुई तो वह एपिसोड सबसे ज्यादा देखने वाला एपिसोड बन गया था।

लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज है सीरियल

इतना ही नहीं, क्योंकि सास भी कभी बहू थी' लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में भी दर्ज है, क्योंकि यह पहला लॉन्ग रनिंग सीरियल था जिसने 1 हजार एपिसोड्स क्रॉस किया था। यह टीवी पर 2००० से 2००8 तक टेलीकास्ट हुआ। पिछले साल ही क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2.०' शुरू हुआ जिसमें तुलसी यानी स्मृति की वापसी हुई थी। अब दूसरा सीजन भी खत्म हो गया है।

मां बनने के बाद प्रेग्नेंसी के दिनों को लेकर करिश्मा तन्ना ने की खुलकर बात

हाल ही में मां बनीं अभिनेत्री करिश्मा तन्ना ने प्रसव के बाद अपने शरीर को लेकर होने वाली परेशानियों के बारे में खुलकर बात की है। उन्होंने बताया कि कभी-कभी उन्हें अपनी प्रेग्नेंसी से पहले वाली बॉडी की याद आती है और बच्चे के जन्म के बाद शरीर में आए बदलावों के साथ तालमेल बैठाना उन्हें मुश्किल लगता है।

इंस्टाग्राम पर अभिनेत्री ने अपने पेट के ढीलेपन, त्वचा के ढीले होने और शरीर के आकार में आए बदलावों के बारे में बात की। साथ ही उन्होंने खुद को याद दिलाया कि उनके बच्चे के जन्म को अभी सिर्फ ढाई महीने ही हुए हैं। उन्होंने जिम की कुछ तस्वीरें भी साझा कीं, जिनमें उनके शरीर में आए बदलावों की झलक देखने को मिली। करिश्मा ने कैप्शन में लिखा, कभी-कभी, मुझे अपनी प्रेग्नेंसी से पहले वाली बॉडी बहुत याद आती है। जब मैं आईने में देखती हूं, तो मुझे अपना पेट ढीला लगता है, त्वचा ढीली दिखती है और मेरा शरीर पहले के मुकाबले बड़ा हो गया है। शॉपिंग करना बहुत थकाऊ लगता है और कभी-कभी तो मेरा तैयार होने का भी मन नहीं करता।

अभिनेत्री ने कहा, फिर मुझे खुद को प्यार से याद दिलाना पड़ता है। मेरे अंदर एक नन्हा इंसान पल रहा था। मेरे शरीर ने उसकी जिंदगी के लिए जगह बनाई। अभी तो बस ढाई महीने ही हुए हैं, मैं इतनी जल्दी खुद से इतनी उम्मीदें क्यों लगा रही हूं? मैं अपने शरीर के लिए आभारी भी हो



सकती हूं और साथ ही इसमें आए बदलावों को मुश्किल भी मान सकती हूं। मैं मां बनने के अनुभव से प्यार भी कर सकती हूं और साथ ही खुद को महसूस करने की कमी भी महसूस कर सकती हूं।

करिश्मा ने कहा कि माएं भी उसी कोमलता की हकदार हैं, जो वे अपने बच्चों को देती हैं। उन्होंने कहा, तो अब मैं खुद को कम आलोचनात्मक नजरिए से और ज्यादा दयालुता के साथ देखना सीख रही हूं। मैं खुद को ठीक होने, मजबूत महसूस करने और फिर से सहज महसूस

करने के लिए समय दे रही हूं। जो भी मां ऐसा महसूस कर रही है, उसे बता दूं, आप अकेली नहीं हैं। हम भी उसी कोमलता की हकदार हैं, जो हम अपने बच्चों को देती हैं।

6 अप्रैल को करिश्मा और उनके पति वरुण बंगोरा ने घोषणा की थी कि वे पहली बार माता-पिता बनने जा रहे हैं। करिश्मा और वरुण ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स के जरिए यह खुशखबरी साझा की थी। जुलाई में उनके यहां एक बेटे का जन्म हुआ।

क्रिसमस से प्यार, लेकिन एक जनवरी के बाद नहीं चाहिए जश्न: हिलेरी डफ



अभिनेत्री और गायिका हिलेरी डफ क्रिसमस पर प्यार और उलझन, दोनों महसूस करती हैं। हालांकि, वह इस त्योहार से जुड़ी परंपराओं, संगीत, सजावट और खरीदारी का खूब आनंद लेती हैं, लेकिन चाहती हैं कि इसका उत्साह एक जनवरी तक खत्म भी हो जाए। अब हिलेरी अपने

नए ईपी हॉलिडे थिंग्स के जरिए क्रिसमस के इसी खास रंग को लेकर आई हैं। हिलेरी ने इंस्टाग्राम पर अपने नए ईपी के कवर फोटोशूट की कई तस्वीरें साझा कीं। इसके साथ उन्होंने बताया कि उन्हें क्रिसमस बहुत पसंद है। त्योहार से जुड़ी परंपराएं, गाने, सजावट, गर्म कपड़े पहनना, खरीदारी

करना और जिंजरब्रेड से घर बनाना उन्हें काफी पसंद है। हालांकि, वह इस पूरे उत्साह को सीमित समय तक ही रखना चाहती हैं।

उन्होंने लिखा, जो लोग मुझे जानते हैं, वे जानते हैं कि मुझे क्रिसमस और छुट्टियों का मौसम बहुत पसंद है, लेकिन इसके साथ मेरा रिश्ता थोड़ा उलझा हुआ भी है। मैं क्रिसमस के उत्साह, परंपराओं, संगीत, सजावट, स्वेटर, खरीदारी, जिंजरब्रेड के घरों और ऐसी तमाम चीजों के लिए उत्साहित रहती हूं। लेकिन मैं चाहती हूं कि यह सब एक जनवरी तक खत्म हो जाए और सारी चीजें वापस अटारी में रख दी जाएं।

हिलेरी ने आगे अपने फैंस से नए ईपी का आनंद लेने की अपील की। उन्होंने कहा, इस ईपी को खूब सुनें, फिर इसे समेटकर रख दें और अगले साल दोबारा इसका आनंद लें। मेरा नया ईपी हॉलिडे थिंग्स अब रिलीज हो चुका है।

हिलेरी डफ ने अपने म्यूजिक करियर की शुरुआत साल 2००2 में क्रिसमस एल्बम सांता क्लॉज लेन से की थी। इस एल्बम में क्रिसमस से जुड़े कई लोकप्रिय गानों के नए वर्जन शामिल थे।

इस क्रिसमस एल्बम में सांता क्लॉज इज कमिंग टू टाउन, जंगल बेल रॉक, वंडरफुल क्रिसमस टाइम, स्ली राइड और लास्ट क्रिसमस जैसे लोकप्रिय गानों के नए वर्जन शामिल हैं।

बौराड़ गांव में भालू की चहलकदमी से दहशत

विकासनगर(आरएनएस)। चकराता वन प्रभाग की बावर रेंज के अंतर्गत कुणा पंचायत के बौराड़ गांव में भालू की लगातार आवाजाही से ग्रामीणों में दहशत है। भालू सुबह और शाम एक ग्रामीण के बगीचे में दिखाई दिया। आबादी के नजदीक भालू की मौजूदगी से ग्रामीणों को अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा की चिंता सताने लगी है। लोगों का कहना है कि क्षेत्र में भालू की आवाजाही को लेकर पहले भी चिंता बनी रही है। ऐसे में दोबारा बस्ती के नजदीक भालू दिखाई देने से ग्रामीणों की परेशानी बढ़ गई है। बौराड़ निवासी बृजेश कुमार के अनुसार, बुधवार सुबह और शाम उनके बगीचे में भालू दिखाई दिया।दिन में दो बार भालू के नजर आने से ग्रामीणों में भय का माहौल है। गांव के आसपास बगीचे और जंगल होने के कारण लोगों का इन क्षेत्रों में आना-जाना लगा रहता है। ऐसे में भालू की मौजूदगी ग्रामीणों के रोजमर्रा के कामकाज को भी प्रभावित कर सकती है। ग्रामीणों ने मामले की सूचना वन विभाग को दे दी है। उन्होंने गांव के आसपास गश्त बढ़ाने और भालू की गतिविधियों पर नजर रखने की मांग की है।ग्रामीणों का कहना है कि आबादी के करीब भालू की आवाजाही को गंभीरता से लेने की जरूरत है, ताकि किसी अप्रिय घटना से पहले सुरक्षा के जरूरी इंतजाम किए जा सकें। ग्रामीणों के मुताबिक, भालू की आवाजाही को लेकर पहले भी चिंता रही है। उधर, बावर रेंज के वन क्षेत्राधिकारी एसपी गैरोला ने बताया कि ग्रामीणों की शिकायत के बाद गांव के आसपास गश्त बढ़ा दी गई है। साथ ही ग्रामीणों को अंधेरे में घर से बाहर नहीं निकलने की सलाह दी जा रही है।

500 विद्यार्थियों की सुरक्षा पर खतरा

उत्तरकाशी(आरएनएस)। दौलतराम रवांल्टा राजकीय इंटर कॉलेज नौगांव परिसर में शिक्षकों के लिए बनाए गए 16 आवासीय भवन पिछले डेढ़ दशक से निष्प्रयोज्य पड़े हैं। जर्जर हालत में पहुंच चुके भवनों का अब तक ध्वस्तीकरण नहीं हो पाया है जिससे विद्यालय में अध्ययनरत करीब 500 छात्र-छात्राओं की सुरक्षा को लेकर भी चिंता बनी हुई है। हैरानी की बात यह है कि निष्प्रयोज्य घोषित किए जाने के 15 साल बाद भी विभाग इन भवनों का उपयोग नहीं कर पाया है। विद्यालय परिसर में प्रधानाचार्य और शिक्षकों के लिए टाइप-टू और टाइप-थ्री श्रेणी के कुल 16 आवासीय सेट बनाए गए थे। वर्ष 2009 में छठे वेतनमान के लागू होने के बाद शिक्षकों ने इन आवासों को खाली कर दिया था। इसके बाद लोनिवि बड़कोट ने वर्ष 2011 में तकनीकी जांच के बाद इन भवनों को निष्प्रयोज्य घोषित कर दिया था। तब से ये भवन खाली पड़े हैं, लेकिन इनके ध्वस्तीकरण और परिसर के बेहतर उपयोग की दिशा में अब तक ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी है।वर्ष 2023-24 में विद्यालय का चयन क्लस्टर श्रेणी में होने के बाद पुराने आवासीय भवनों को ध्वस्त कर उनके स्थान पर नए भवन बनाने का प्रस्ताव शासन को भेजा गया था। इसके बावजूद प्रस्ताव पर अब तक स्वीकृति नहीं मिल पाई है। नतीजतन, जर्जर भवनों की स्थिति जस की तस बनी हुई है और विद्यालय परिसर में उपलब्ध भूमि एवं संसाधनों का बेहतर उपयोग भी नहीं हो पा रहा है।

सू- दोकू क्र.071									
	2		6		8		3		
9		8		3		4			
							5		
5		2			7		6		
	8		4			1		3	
				9					
8			9				1		
	5			1		6		2	
		1	7				4		
नियम			सू-दोकू क्र.70 का हल						
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है। 2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है। 3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।			2	6	3	8	1	4	9
			9	5	4	2	6	7	3
			8	7	1	9	3	5	6
			6	2	7	5	4	8	4
			3	9	8	6	7	1	2
			4	1	5	3	2	9	6
			5	3	2	4	8	6	7
			1	8	6	7	9	2	5
			7	4	9	1	5	3	8

कुंभ-2027 में देव डोलियों की भव्य शोभायात्रा और गंगा स्नान होगा प्रमुख आकर्षण

हरिद्वार(आरएनएस)। कुंभ मेला-2027 में उत्तराखंड की समृद्ध लोक संस्कृति, धार्मिक परंपराओं और जनआस्था की अनूठी झलक देखने को मिलेगी। प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों की देव डोलियों की भव्य शोभायात्रा और गंगा स्नान इस आयोजन का प्रमुख आकर्षण होगा। आगामी 15 मार्च 2027 को हरिद्वार में उत्तराखंड की देव डोलियों का अमृत स्नान होगा। इस दिव्य आयोजन को भव्य स्वरूप देने के लिए मेला प्रशासन और आयोजन से जुड़ी समिति ने तैयारियां तेज कर दी हैं।

देवभूमि की सांस्कृतिक विरासत को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने वाले इस आयोजन की व्यवस्थाओं को लेकर शुक्रवार को मेला नियंत्रण भवन, हरिद्वार में अपर मेलाधिकारी श्री दयानंद सरस्वती की अध्यक्षता में देवभूमि लोक संस्कृति विरासत शोभायात्रा समिति के पदाधिकारियों के साथ बैठक हुई। बैठक में देव डोलियों की शोभायात्रा और गंगा स्नान से जुड़ी व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में शोभायात्रा के आवागमन

स्वच्छता अभियान चलाकर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

कोटद्वार(आरएनएस)। रोटरी क्लब और इंटैक्ट क्लब मेहरबान सिंह कंडारी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज की पहल पर विद्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान और इको-ब्रिक परियोजना का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ रोटरी क्लब की अध्यक्ष प्रतिभा गुप्ता और विद्यालय के प्रधानाचार्य चंदन सिंह ने किया। प्रतिभा गुप्ता ने स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए अपने आसपास के क्षेत्र को साफ-सुथरा रखने की अपील की। कार्यक्रम इको-ब्रिक परियोजना के तहत विद्यार्थियों को प्लास्टिक की खाली बोतलों में पॉलीथिन की थैलियां और प्लास्टिक के रैपर भरकर इको-ब्रिक्स तैयार करने की जानकारी दी गई। रोटरी क्लब की सचिव वीना रावत, ऊषा अग्रवाल, डीपी सिंह, अशोक अग्रवाल, गोपाल बंसल, शरतचंद गुप्ता, धीरजधर बछवाण, मनीष अग्रवाल, संजीव अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

संस्कृति से जुड़ाव और नवाचार से आगे बढ़ेगा उत्तराखंड का युवा: रावत

ऋषिकेश(आरएनएस)। हरिद्वार सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि संस्कृति से जुड़ाव और नवाचार से उत्तराखंड के युवा आगे बढ़ेंगे। युवा राष्ट्र की सबसे बड़ी ताकत हैं। यह बातें उन्होंने थानो के लेखक गांव में आयोजित अंतरराष्ट्रीय महोत्सव को संबोधित करते हुए कही। इस दौरान ‘युवा उत्तराखंड = नई सोच, नई चेतना’ विषय पर युवाओं की भूमिका, नवाचार, सांस्कृतिक विरासत और पर्यावरण संरक्षण पर चर्चा हुई। वक्ताओं ने कहा कि युवाओं की रचनात्मक ऊर्जा और सांस्कृतिक मूल्यों से जुड़ाव उत्तराखंड के विकास को नई दिशा दे सकता है। थानो स्थित लेखक गांव में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि हरिद्वार सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने अल्मोड़ा के युवाओं की ओर से फ्लाइंग कार बनाने का उल्लेख करते हुए कहा कि उत्तराखंड के युवाओं में तकनीकी नवाचार और नए

मार्ग, ठहराव स्थलों, पारंपरिक स्वरूप और स्नान व्यवस्था सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। आयोजन में शामिल होने वाली देव डोलियों और उनके साथ आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने तथा संबंधित विभागों के बीच समन्वय सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।

अपर मेलाधिकारी श्री दयानंद सरस्वती ने कहा कि कुंभ मेला-2027 में देव डोलियों की शोभायात्रा और गंगा स्नान उत्तराखंड की समृद्ध लोक संस्कृति, धार्मिक मान्यताओं और सदियों पुरानी परंपराओं को व्यापक पहचान देने का महत्वपूर्ण अवसर होगा। इस आयोजन के माध्यम से देश-दुनिया से हरिद्वार आने वाले श्रद्धालुओं को देवभूमि की विशिष्ट सांस्कृतिक विरासत और लोक आस्था को करीब से जानने का अवसर मिलेगा।उन्होंने कहा कि देव डोलियों की शोभायात्रा और अमृत स्नान को पूरी भव्यता के साथ संपन्न कराया जाएगा। आयोजन की धार्मिक गरिमा और पारंपरिक स्वरूप बनाए रखने के साथ ही देव डोलियों के आवागमन, ठहराव, स्नान तथा

श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा के लिए समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी। मेला प्रशासन आयोजन समिति और संबंधित विभागों के साथ समन्वय बनाकर तैयारियों को आगे बढ़ा रहा है।

बैठक में देवभूमि लोक संस्कृति विरासत शोभायात्रा समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि देव डोलियों के आगमन और उनके साथ आने वाले प्रतिनिधियों एवं श्रद्धालुओं की व्यवस्थाओं को लेकर तैयारियां की जा रही हैं। उन्होंने जानकारी दी कि 14 मार्च 2027 को ऋषिकेश में देव डोलियों की शोभायात्रा आयोजित की जाएगी, जबकि 15 मार्च को हरिद्वार में देव डोलियों का अमृत स्नान होगा।

बैठक में देवभूमि लोक संस्कृति विरासत शोभायात्रा समिति के कार्यकारी अध्यक्ष श्री हर्षमणि व्यास, श्री विपिन जोशी, श्री बंशीधर पोखरियाल, श्री द्वारिका भट्ट, श्री रमेश पैन्थूली, श्री गजेंद्र सिंह कंडियाल, श्री भगवान सिंह गंगड़, श्री प्रमोद डोभाल, श्री जसराम ढोंढियाल, श्री मुकेश जोशी और आचार्य भवानी दत्त मैदोलिया सहित समिति सदस्य सहित अनेक अधिकारी उपस्थित रहे।

छह शिल्पकारों और उद्यमियों का जिलास्तरीय पुरस्कारों के लिए चयन

उत्तरकाशी(आरएनएस)। जनपद के स्थानीय शिल्पकारों और उद्यमियों को प्रोत्साहित करने के लिए वर्ष 2026-27 के जिला स्तरीय पुरस्कारों के लिए छह लोगों का चयन किया गया है। हथकरघा, हस्तशिल्प और लघु उद्यम की तीन श्रेणियों में प्रथम और द्वितीय स्थान के लिए उत्कृष्ट प्रतिभागियों का चयन हुआ।उद्योग विभाग के तत्वावधान में जिला सभागार में आयोजित चयन समिति की बैठक में जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने स्थानीय उत्पादों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि स्थानीय शिल्प और उत्पाद स्वरोजगार को बढ़ावा देने के साथ जिले की पारंपरिक कला को पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने संबंधित विभाग को वोकल फॉर लोकल अभियान के तहत स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने और उन्हें बेहतर बाजार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।प्रदर्शनी में भटवाड़ी, डुण्डा, चिन्यालीसौड़, नौगांव, पुरोला और मोरी के शिल्पकारों ने अपने उत्पाद प्रदर्शित किए। इनमें शॉल, पंखी, मफलर, ऊनी टोपी, दस्ताने, मोजे, पिरलू से बने उत्पाद, पारंपरिक हस्तशिल्प, बच्चों के कपड़े, अचार, चटनी, हर्बल चाय, जैम और नमकीन शामिल रहे। हथकरघा श्रेणी में डुण्डा के वीरपुर निवासी शिवराम प्रथम और पुरोला के गुंदियाटगांव निवासी राजकुमारी द्वितीय स्थान के लिए चयनित हुईं।हस्तशिल्प श्रेणी में भटवाड़ी क्षेत्र के भंकोली निवासी गोविन्द लाल प्रथम और चिन्यालीसौड़ क्षेत्र के बधाणगांव निवासी मीमा द्वितीय स्थान पर रहीं। लघु उद्यम श्रेणी में नौगांव के हिमरोल निवासी जगमोहन सिंह राणा प्रथम और चिन्यालीसौड़ के मरगांव निवासी श्याम सिंह द्वितीय स्थान के लिए चयनित हुए। बैठक में जिला उद्योग केंद्र के प्रभारी महाप्रबंधक वैभव कुमार और जिला ग्रामोद्योग अधिकारी के प्रतिनिधि संदीप सुमन आदि मौजूद रहे।

प्रयोगों की अपार संभावनाएं हैं।स्थानीय संसाधनों पर आधारित उद्योगों को बढ़ावा देकर रोजगार के नए अवसर पैदा किए जाने चाहिए। मॉरीशस के पूर्व राष्ट्रपति पृथ्वीराज सिंह रूपन ने कहा कि उत्तराखंड की प्राकृतिक सुंदरता, आध्यात्मिक चेतना और सांस्कृतिक समृद्धि उसकी विशिष्ट पहचान है। नई पीढ़ी को अपनी परंपराओं और संस्कारों से जोड़ना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। केंद्रीय संस्कृत विवि नई दिल्ली के कुलपति प्रो. श्रीनिवास बरखेड़ी ने कहा कि विकास का उद्देश्य केवल आर्थिक प्रगति नहीं, बल्कि संस्कृति और पर्यावरण का संरक्षण भी होना चाहिए। साहित्य और संस्कृति भारतीय ज्ञान परंपरा को अगली पीढ़ी तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल ‘निशंक’ ने कहा कि उत्तराखंड में आयुर्वेद, योग,

प्राकृतिक चिकित्सा और औषधीय वनस्पतियों के क्षेत्र में रोजगार की व्यापक संभावनाएं हैं। उन्होंने चिपको आंदोलन और गौरा देवी का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रकृति संरक्षण, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और आधुनिक तकनीक के समन्वय से ही टिकाऊ विकास संभव है। लेखक गांव की निदेशक विदुषी निशंक ने कहा कि महोत्सव साहित्य, कला और संस्कृति के माध्यम से देश-विदेश के विचारों को जोड़ने का सशक्त मंच बन रहा है। इसका उद्देश्य युवाओं को रचनात्मक अभिव्यक्ति के अवसर देने के साथ उनमें सांस्कृतिक चेतना और सामाजिक जिम्मेदारी विकसित करना है। महोत्सव में देश के विभिन्न राज्यों और लगभग 60 देशों से जुड़े प्रतिभागियों एवं विद्यार्थियों ने सहभागिता की। सत्र में साहित्यकारों, विद्वानों, युवा लेखकों और संस्कृति प्रेमियों ने भाग लिया।

अर्धकुंभ मेला-2027 के लिए उत्तराखण्ड को केन्द्र से 14,520 मीट्रिक टन अतिरिक्त खाद्यान्न आवंटित

संवाददाता

देहरादून। `हरिद्वार में प्रस्तावित अर्धकुंभ मेला-2027 के सफल एवं सुव्यवस्थित आयोजन के लिए केंद्र सरकार ने उत्तराखण्ड को 14,520 मीट्रिक टन अतिरिक्त खाद्यान्न आवंटित किया है। अर्धकुंभ मेले के दौरान खाद्यान्न की पर्याप्त उपलब्धता एवं सुचारु आपूर्ति व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए उत्तराखंड सरकार ने केंद्र सरकार से राज्य को अतिरिक्त खाद्यान्न आवंटन की मांग की थी। जिसके बाद केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने मुख्यमंत्री को पत्र के माध्यम से अवगत कराया है कि भारत सरकार के खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग द्वारा अर्धकुंभ मेले के लिए 7,260 मीट्रिक टन गेहूँ तथा 7,260 मीट्रिक टन चावल का अतिरिक्त आवंटन किया गया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अर्धकुंभ मेले के लिए केन्द्र सरकार द्वारा उत्तराखण्ड को अतिरिक्त खाद्यान्न आवंटित किए जाने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केन्द्र सरकार का आभार व्यक्त किया है। इस अतिरिक्त खाद्यान्न आवंटन से मेले के दौरान खाद्य सामग्री की आपूर्ति एवं वितरण व्यवस्था सुचारु रूप से संचालित की जा सकेगी।

नकली शराब के साथ पांच गिरफ्तार, 2240 स्टीकर, 87 बोतल बरामद

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने नकली शराब के साथ पांच लोगों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 2240 स्टीकर व 87 बोतलें बरामद कर ली। पुलिस ने सभी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस ने मातावाला बाग के पास एक बुलेरों को रूकने का इशारा किया तो बुलेरो सवार उसको तेजी से भगा ले गया। पुलिस ने पीछा कर उसको थोड़ी दूरी पर रोक लिया। बुलेरों में सवार पांच लोगों को हिरासत में लेकर बुलेरों की तलाशी ली तो उसमें से विभिन्न ब्रांड की 87 बोतल व ब्रांडेड शराब के 2240 स्टीकर बरामद किये। आरोपियों के द्वारा गैर प्रांत करनाल, हरियाणा से सस्ती दारू खरीदकर विभिन्न ब्रांडों की खाली बोतलों में भरकर महंगे ब्रांडों का स्टीकर लगाकर महंगे दामों बेचकर मुनाफा अर्जित कर लिया जाता है। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम पंकज गोयल पुत्र राधेश्याम निवासी मेरठ, प्रवीण पुत्र ओमप्रकाश निवासी नेहरू कालोनी, मनीष अरोड़ा पुत्र नरेश अरोड़ा मन्नूगंज, विनोद निवासी कंकरखेड़ा मेरठ, प्रतीक पुत्र राकेश निवासी मेरठ बताया।

धामी के वार से ‘तिलमिलाई’ कांग्रेस

◀ पृष्ठ 2 का शेष

जवाबदेही से जुड़ा संवेदनशील विषय है। इस मामले में जनता की अपेक्षा है कि जांच और न्यायिक प्रक्रिया तथ्यों तथा कानून के आधार पर आगे बढ़े। कथित वीआईपी की भूमिका को लेकर उठने वाले सवालों का जवाब भी संबंधित जांच और उपलब्ध प्रमाणों के आधार पर दिया जाना चाहिए। राजनीतिक दलों के लिए खतरा यह है कि अंकिता को न्याय दिलाने का सवाल चुनावी आरोप-प्रत्यारोप का हथियार बनकर रह जाए। यदि भाजपा कांग्रेस के पुराने प्रकरणों को सामने रखती है, तो कांग्रेस सरकार से वर्तमान सवालों पर जवाब मांगती है। लेकिन जनता के लिए निर्णायक प्रश्न यह है कि आरोपों के बीच वास्तविक तथ्य क्या हैं और न्याय की प्रक्रिया किस दिशा में आगे बढ़ रही है। चुनावी वर्ष में ऐसे मुद्दे राजनीतिक रूप से अधिक तीखे होते हैं, क्योंकि हर बयान का असर नेताओं की छवि और दलों की रणनीति पर पड़ता है। भाजपा हरक सिंह रावत को घेरकर कांग्रेस को असहज करना चाहती है, जबकि कांग्रेस अंकिता प्रकरण के जरिए मुख्यमंत्री और सरकार की जवाबदेही पर सवाल खड़े कर रही है।

फिलहाल, धामी के हमले ने हरक सिंह रावत को लेकर सियासी बहस छेड़ी है, लेकिन गोदियाल के पलटवार ने लड़ाई को अंकिता भंडारी प्रकरण तक पहुंचा दिया है। अब इस राजनीतिक टकराव की असली कसौटी बयानबाजी की तीव्रता नहीं, बल्कि यह होगी कि कौन-सा दल तथ्यों के साथ अपने सवालों का जवाब देता है। चुनावी राजनीति अपनी जगह है, लेकिन अंकिता को न्याय दिलाने का सवाल किसी भी दल की राजनीतिक सुविधा से बड़ा है।

उत्तराखंड में नई सियासी ‘दस्तक’ ..

◀ पृष्ठ 2 का शेष

सनातन परंपरा के नाम पर राजनीति करने वाली पार्टी को यह बताना होगा कि वह धार्मिक-सांस्कृतिक मूल्यों को शासन, सामाजिक समरसता और विकास की नीतियों से किस तरह जोड़ेगी।

उत्तराखंड में धार्मिक आस्था एक महत्वपूर्ण सामाजिक शक्ति है, लेकिन यहां के मतदाताओं की अपेक्षाएं बहुआयामी हैं। युवाओं को रोजगार चाहिए, गांवों को बुनियादी सुविधाएं चाहिए, किसानों और छोटे कारोबारियों को आर्थिक अवसर चाहिए तथा महिलाओं को सुरक्षा और सम्मान के साथ बेहतर सुविधाएं चाहिए। पहाड़ी क्षेत्रों में पलायन और स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता जैसे मुद्दे भी चुनावी विमर्श का हिस्सा रहेंगे। यदि पार्टी इन सवालों पर स्पष्ट नीति, समयबद्ध कार्यक्रम और जवाबदेह नेतृत्व पेश करती है, तो उसे अपनी राजनीतिक पहचान स्थापित करने का अवसर मिल सकता है। इसके विपरीत, यदि अभियान केवल नारों और पहचान की राजनीति तक सीमित रहता है, तो सभी 70 सीटों पर चुनाव लड़ने की घोषणा का चुनावी प्रभाव सीमित रह सकता है।

सर्वजन सनातन पार्टी की असली परीक्षा 70 सीटों पर चुनाव लड़ने के ऐलान से नहीं, बल्कि यह साबित करने से होगी कि उसके पास उत्तराखंड के लिए क्या नया राजनीतिक विचार, कैसा संगठन और जनता के सवालों के क्या ठोस जवाब हैं। चुनावी मैदान में दस्तक देना पहला कदम है और जनविश्वास हासिल करना ही असली राजनीति है।

मौसम विभाग के अलर्ट के दृष्टिगत मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को सतर्क रहने के लिए निर्देश



संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मौसम विभाग द्वारा प्रदेश के विभिन्न जनपदों के लिए जारी ऑरेंज एवं येलो अलर्ट के दृष्टिगत शासन एवं जिला प्रशासन के अधिकारियों को पूरी सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मौसम की परिस्थितियों को देखते हुए सभी जनपदों में आपदा प्रबंधन से जुड़ी तैयारियां पूरी रखी जाएं तथा किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें।

भारत मौसम विज्ञान विभाग, देहरादून द्वारा 30 अक्टूबर को जारी पूर्वानुमान के अनुसार नैनीताल, चंपावत, पिथौरागढ़, बागेश्वर एवं चमोली जनपदों में

कहीं-कहीं गरज के साथ आकाशीय बिजली चमकने, ओलावृष्टि एवं झोंकेंदार हवाएं 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने की संभावना के दृष्टिगत ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। वहीं

◆नैनीताल, चंपावत, पिथौरागढ़, बागेश्वर एवं चमोली में ऑरेंज अलर्ट, अन्य जनपदों में येलो अलर्ट जारी

पिथौरागढ़, बागेश्वर, नैनीताल एवं चंपावत में कहीं-कहीं भारी वर्षा की संभावना भी व्यक्त की गई है। प्रदेश के अन्य जनपदों में भी गरज-चमक और तेज हवाओं को लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि पर्वतीय क्षेत्रों में ट्रेकिंग गतिविधियों को मौसम सामान्य होने तक नियंत्रित रखा जाए। संवेदनशील एवं भूस्खलन संभावित क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरती जाए तथा

आवश्यकता पड़ने पर यातायात को नियंत्रित किया जाए। किसी भी सड़क के बाधित होने की स्थिति में संबंधित विभाग तत्काल मार्ग खोलने की कार्यवाई सुनिश्चित करें।

मुख्यमंत्री ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देशित किया कि आपदा प्रबंधन की आईआरएस प्रणाली के अंतर्गत नामित अधिकारी एवं विभागीय नोडल अधिकारी हाई अलर्ट पर रहें। राजस्व, ग्राम्य विकास एवं पंचायतीराज विभाग के अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय रहें। पुलिस, एसडीआरएफ, अग्निशमन एवं अन्य बचाव दल आवश्यक उपकरणों के साथ तैयार रहें।

मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से निर्देश दिए कि भारी बारिश एवं खराब मौसम के दौरान उच्च हिमालयी क्षेत्रों में पर्यटकों की आवाजाही नियंत्रित की जाए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मौसम विभाग की चेतावनियों को गंभीरता से लेते हुए समय रहते सभी एहतियाती कदम उठाए जाएं, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोका जा सके और आवश्यकता पड़ने पर प्रभावित लोगों को तत्काल राहत पहुंचाई जा सके।

विशाल पेड़ गिरने से एक व्यक्ति की मौत, दूसरा घायल

हमारे संवाददाता

पौड़ी। बारिश से बचने के लिए चाय की दुकान के समीप खड़े लोगों पर अचानक एक विशाल पेड़ गिरने से एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

जानकारी के अनुसार, भाबर के जशोधरपुर औद्योगिक क्षेत्र में चाय की दुकान के समीप बारिश से बचने के लिए दो लोग खड़े थे। इसी दौरान तेज

अंधड़ के चलते अचानक एक विशाल पेड़ उनके ऊपर गिर गया। पेड़ की चपेट में आने से हल्दुखाता निवासी विक्रम उर्फ खटमल (55) पुत्र छज्जू सिंह की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि किशनपुर निवासी दलीप (45) पुत्र शिवराज सिंह गंभीर रूप से घायल हो गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोनों लोग बारिश से बचने के लिए चाय की दुकान के पास खड़े थे। इसी बीच तेज हवा चलने से अचानक विशाल पेड़ धराशायी हो गया और दोनों उसकी चपेट में आ गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी

मच गई।

घटना की सूचना पर एसआई राजा राम डोभाल और एसएसआई शशि भूषण जोशी के नेतृत्व में कलालघाटी पुलिस टीम तथा एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची। राहत एवं बचाव कार्य के दौरान टीम ने घायल दलीप को पेड़ के नीचे से बाहर निकाला और उपचार के लिए बेस अस्पताल कोटद्वार पहुंचाया। उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। वहीं, पुलिस ने मृतक विक्रम के शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

नैनीझील में डूब रहे बच्चे को लोगों ने बचाया

हमारे संवाददाता

नैनीताल। नैनीताल में एक नाबालिग झील में कूद गया, जिसे पर्यटकों समेत स्थानीय लोगों ने बाहर निकाला। मॉनिंग वॉल्क पर निकले उच्च न्यायालय के न्यायाधीश ने कपड़े मंगाकर गीले बच्चे के कपड़े बदले।

बच्चे को परिजनों के आने तक तल्लीताल कोतवाली में बैठाए रखा।

मॉलरोड स्थित कैनेडी पार्क से एक नाबालिग बोट स्टैंड की जैटी में उतरा और फिर झील में कूद गया। बताया जा रहा है कि वहां मौजूद कुछ पर्यटकों ने इस घटना को देखा और हल्ला मचा दिया। हल्ला सुनकर वहां मौजूद टैक्सी ड्राइवर, बोट चालक और होटल गाइड मौके पर पहुंच गए। उन्होंने, तत्काल नाबालिग को झील से बाहर निकाला।



गीले कपड़ों के साथ नाबालिग को सड़क में लाया गया, तो वहां मॉनिंग वॉक कर रहे उच्च न्यायालय के न्यायाधीश और उनकी पत्नी ने बच्चे को देखा। उन्होंने अपने घर से कपड़े मंगाकर बच्चे को पहनाए। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के मैम्बर सचिव प्रदीपमणि ने भी अपने कार्यालय के यशवंत कुमार को बच्चे के परिजनों तक पहुंचने की जिम्मेदारी सौंपी।

जानकारी के अनुसार नाबालिग लगभग 7:45 बजे अलका बोट स्टैंड की

जेटी पर पहुंचा और पानी में उतर गया। उसे वहां मौजूद लोगों ने रैस्क्यू कर तल्लीताल थाने को संपर्क किया। सूचना पर पुलिस ने बच्चे को कब्जे में लेकर पहचान शुरू कराई। बूचड़खाने निवासी नवाब ने बताया कि लगभग 6 वर्षीय मूक बधिर बच्चे की पहचान के लिए हरीनगर, बूचड़खाने, वैष्णो देवी मंदिर ले

जाया गया। सवेरे 10 बजे जब नाबालिग के परिजन उठे तो उन्होंने बच्चा नहीं मिला। आनन फानन में तलाशते हुए परिजन तल्लीताल कोतवाली पहुंचे जहां बच्चे को देखकर माँ फूट फूटकर रोने लगी। परिजनों ने बताया कि बच्चा उनके सोने के दौरान, सवेरे उठकर दरवाजा खोलकर निकल गया। पुलिस ने सभी जानकारीयां लेकर बच्चे को उसके परिजनों को सौंप दिया।

प्रधानमंत्री ने जारी की पीएम किसान सम्मान निधि की 24वीं किस्त



◆ मुख्यमंत्री ने देहरादून में आयोजित कार्यक्रम में किया प्रतिभाग

हमारे संवाददाता देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज सर्वे ऑडिटोरियम, हाथीबड़कला, देहरादून में आयोजित 'पीएम-किसान उत्सव दिवस' कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के बनासकांठा से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 24वीं किस्त के अंतर्गत देशभर के 9.34 करोड़ से अधिक किसानों के बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से 18 हजार 690 करोड़ रुपये की धनराशि हस्तांतरित की। इसके अंतर्गत उत्तराखण्ड के भी 8 लाख 8 हजार से अधिक लाभार्थी किसानों के खातों में 161.96 करोड़ रुपये की सम्मान निधि हस्तांतरित की गई।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश के सभी लाभार्थी किसानों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय

कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना किसानों को आर्थिक संबल प्रदान करने की महत्वपूर्ण पहल है। वर्ष 2019 में योजना की पहली किस्त जारी होने के समय उत्तराखण्ड के लगभग चार लाख किसान इससे लाभान्वित हुए थे। आज प्रदेश में लाभार्थी किसानों की संख्या बढ़कर आठ लाख से अधिक हो चुकी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश की सुरक्षा में हमारे जवानों का महत्वपूर्ण योगदान है, वहीं देश की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने में किसानों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। किसान अपनी मेहनत से न केवल अन्न का उत्पादन करते हैं, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था और समृद्धि में भी अहम योगदान देते हैं। प्रधानमंत्री

श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार किसानों के सम्मान, सुरक्षा और समृद्धि के लिए अनेक योजनाएं संचालित कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने और कृषि को अधिक लाभकारी बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। प्रदेश में नहरों से सिंचाई को पूरी तरह निःशुल्क किया गया है। किसानों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से बजट में 200 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। राज्य में अब तक लगभग 115 करोड़ रुपये के निवेश से 350 से अधिक आधुनिक पॉलीहाउस तैयार किए जा चुके हैं, जिनसे संरक्षित खेती को बढ़ावा मिल रहा है।

कृषि मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि राज्य सरकार पर्वतीय क्षेत्रों में लैवेंडर और डेंडेलियन जैसी सुगंधित एवं औषधीय फसलों की खेती को भी प्रोत्साहित कर रही है, जिससे किसानों की आय बढ़ने के साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित हो सकें। इस अवसर पर विधायक बृजभूषण गैरोला, उत्तराखण्ड राज्य किसान आयोग के अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह चौधरी, राज्यमंत्री प्रताप सिंह पंवार, दायित्वधारी श्रीमती ज्योति कोटिया, सचिव कृषि डॉ. एस. एन. पाण्डेय, महानिदेशक कृषि एवं उद्यान डॉ. आनन्द श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित थे।

उत्तराखण्ड रोडवेज की आज प्रदेश में हड़ताल



हमारे संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड रोडवेज से आज सफर करने का प्लान है तो पहले जानकारी ले लें। कर्मचारियों ने तीन महीने से वेतन नहीं मिलने और अन्य मांगों पूरी न होने पर आज से अनिश्चितकाल के लिए बसों का संचालन बंद करने का ऐलान कर दिया है।

बताया जा रहा है कि गुरुवार को एमडी रीना जोशी के साथ यूनियन के पदाधिकारियों की लंबी बैठक हुई जो करीब साढ़े तीन घंटे चली। बैठक में वेतन, डीए, बोनस और निगम के बड़े में नई बसें जोड़ने की मांग प्रमुखता से रखी गई।

यूनियन ने निजी बसों की अवैध दौड़ पर रोक लगाने की भी मांग की लेकिन बात नहीं बन पाई। बातचीत फेल होने के बाद उत्तरांचल रोडवेज कर्मचारी यूनियन के महामंत्री अशोक चौधरी ने साफ कर दिया कि अब आर-पार की लड़ाई होगी। आज से देहरादून, हरिद्वार, हल्द्वानी, टनकपुर समेत सभी डिपो में बसें खड़ी रहेंगी जिससे लंबी दूरी के यात्रियों को सबसे ज्यादा परेशानी उठानी पड़ सकती है।

दिल्ली में आज दिलजीत दोसांझ के कॉन्सर्ट में मचेगी धूम!

नई दिल्ली। पंजाबी सिंगर और एक्टर दिलजीत दोसांझ एक बार फिर दिल्ली में धमाल मचाने के लिए तैयार हैं। आज, 30 अक्टूबर जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में दिलजीत दोसांझ का कॉन्सर्ट होने वाला और सिंगर के फैस में उनके कॉन्सर्ट को लेकर जबरदस्त क्रेज देखने को मिल रहा है। दिल्ली पुलिस ने एडवाइजरी जारी की है और साफ किया है कि वेन्यू पर पार्किंग की सुविधा नहीं होगी। इसी के साथ ये भी साफ किया गया है कि ये कॉन्सर्ट रात 10 बजे तक ही चलेगा। ट्रैफिक की हालत देखते हुए सिंगर ने अपने फैस को मेट्रो से आने की सलाह दी है, जो रात 12 बजे तक खुली रहने वाली है। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने साफ किया है कि स्टेडियम के आस-पास जनता के लिए पार्किंग की कोई व्यवस्था नहीं होगी। ऐसे में खुद सिंगर ने अपने फैस से अपील की है कि वे निजी वाहनों की जगह पब्लिक ट्रांसपोर्ट का इस्तेमाल करें। दिलजीत दोसांझ ने अपने फैस से मेट्रो का इस्तेमाल करने की अपील की है। उन्होंने एक पोस्ट में बताया कि कॉन्सर्ट के चलते कुछ मार्ग प्रतिबंधित हो सकते हैं, जबकि दिल्ली मेट्रो की सेवाएं रात 12 बजे तक जारी रहेंगी। ऐसे में लोगों के लिए मेट्रो ज्यादा सुगम साधन हो सकता है। इसी के साथ दिलजीत ने ये भी बताया है कि उनकी टीम को रात 10 बजे तक ही कार्यक्रम की परमिशन मिली है।



टीचर्स ने किया बच्चे से दुर्व्यवहार, दो नवम्बर से स्कूल गेट पर दूंगी धरना: बीना

संवाददाता

देहरादून। डालनवाला निवासी बीना शर्मा ने अपनी बेटी के साथ टीचर्स के द्वारा दुर्व्यवहार किये जाने पर चेतावनी दी कि वह दो नवम्बर से स्कूल गेट पर प्रधानाचार्य व टीचर्स की गिरफ्तारी तक धरना देंगी।

आज यहां परेड ग्राउंड स्थित एक क्लब में पत्रकारों से वार्ता करते हुए डालनवाला निवासी बीना शर्मा ने कहा कि उसकी बेटी के साथ समर वैली स्कूल के टीचर्स के द्वारा दुर्व्यवहार किया गया। जिसकी शिकायत उनके द्वारा स्कूल प्रशासन से की गयी तो स्कूल के प्रधानाचार्य सोनू कुन्ध्रा के द्वारा उनकी बेटी को अपने कमरे में बुलाकर यह



पूछा गया कि उसको बतायें कि टीचर्स ने उसको कैसे टच किया उसको टच करके बतायें। उसके द्वारा उक्त मामले में सीएम आवास में आवाज उठायी लेकिन उसकी कहीं सुनवायी नहीं हुई। वह परेशान घुम रही थी तभी लक्ष्मी अग्रवाल उनको मिली और उसकी समस्या सुनकर वह

उसके साथ स्कूल गयी और वहां पर जमकर लताड़ लगायी। जिसके अगले ही दिन जिला स्पোর্ट्स एसोसिएशन के अधिकारी उसके घर पर आ गये और मामले को दबाने के लिए कहने लगे। मुकदमा दर्ज होने के बाद मुकदमे की जांच कर रही महिला दरोगा रश्मि उनके साथ स्कूल गयी और स्कूल प्रशासन के साथ आधा घंटा बात करने के बाद वापस आ गयी। यही नहीं जांच अधिकारी के द्वारा भी उसके बच्चों को डराया गया। बीना का कहना था कि वह दो नवम्बर से स्कूल गेट पर धरना देंगी जब तक स्कूल के प्रधानाचार्य व टीचर्स रविन्द्र की गिरफ्तारी नहीं हो जाती वह स्कूल गेट पर ही बैठी रहेगी।

खाई में गिरी कार, पुलिस ने दो लोगों को सकुशल बाहर निकाला

संवाददाता

टिहरी। खाई में कार के गिरने की सूचना पर पुलिस ने रेस्क्यू अभियान चलाकर कार में फंसे दो लोगों को सकुशल बाहर निकाला।

मिली जानकारी के अनुसार जनपद टिहरी गढ़वाल के थाना थल्यूड़ क्षेत्रान्तर्गत 29 अक्टूबर 2026 की रात्रि करीब 9:50 बजे दुगड़ा से लगभग एक किलोमीटर आगे भुयासारी/किन्सू रोड पर एक स्विफ्ट डिजायर कार अनियंत्रित होकर सड़क से करीब 40 मीटर नीचे गहरी खाई में जा गिरी। उक्त वाहन मसूरी से अपने गांव ठीक की ओर जा रहा था। वाहन में चालक मुकेश सिंह पुत्र जय सिंह, निवासी ग्राम ठीक, थाना थल्यूड़, जनपद टिहरी गढ़वाल, तथा उनके साथ सुनील राणा



पुत्र रतन सिंह राणा, निवासी ग्राम ठीक, थाना थल्यूड़, जनपद टिहरी गढ़वाल, सवार थे। घटना की सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष थल्यूड़ महावीर सिंह रावत पुलिस टीम के साथ तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस टीम द्वारा बिना समय गंवाए राहत एवं बचाव कार्य प्रारंभ किया

गया तथा विषम परिस्थितियों के बीच कड़ी मशक्कत के बाद वाहन में फंसे दोनों व्यक्तियों को सुरक्षित खाई से बाहर निकाला गया। रेस्क्यू के उपरान्त दोनों व्यक्तियों को 108 एंबुलेंस की सहायता से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र थल्यूड़ पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार कराया गया।

चिकित्सकीय जानकारी के अनुसार दोनों की स्थिति सामान्य है। टिहरी पुलिस की अपील: पर्वतीय मार्गों पर वाहन चलाते समय विशेष सावधानी बरतें। रात्रि के समय अनावश्यक यात्रा से बचें तथा वाहन की गति नियंत्रित रखें। सुरक्षित वाहन संचालन ही सुरक्षित सफर की गारंटी है।

PUBLIC NOTICE

It is hereby informed that Plot No. 127, Savarkar Marg, Subhash Nagar (Clement Town) part of Khasra 699 and 700 Bharuwalla Grant was originally owned by Smt. Surjit Kaur W/o Sh. Balwant Singh and on her demise is currently owned by Rabinder Singh / Mohini Singh and Sandeep Singh by inheritance. Said Property is under Litigation Case No. 473/2026 Civil Judge Dehradun and C482/1223/2016 Uttarakhand High Court. Whosoever deals with this property will do so at his own risk and responsibility and will be liable for Civil/Criminal action.

Sandeep Singh

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटेड 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार
समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटेर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।